www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
संजना भारती
RNI No. : DELHIN/2016/70240
आपका भरोसा, हमारी ताकत

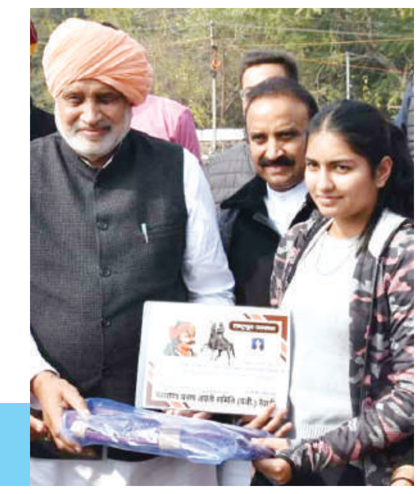

2 न सुशासन, न रोजगार, सिर्फ फ्री-बीज... 3 मिथिला के वैभवशाली ज्ञान, विज्ञान और दर्शन को... 4 महाराणा प्रताप हम सभी के लिए हैं प्रेरणा के...

वर्ष: 9 अंक: 87 दिल्ली, सोमवार, 20 जनवरी 2025 पृष्ठ संख्या: 4 मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रपति मुर्मू श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार सम्मान समारोह में शामिल होंगी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अप्रैल में गुवाहाटी में आयोजित होने वाले एक विशेष समारोह में शामिल होंगी, जिसमें इस वर्ष का श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार साहित्य, कला, संस्कृति और पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रतिष्ठित व्यक्तियों को दिया जाता है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को राष्ट्रपति को निमंत्रण दिया और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। शर्मा ने एक्स पर लिखा, मुझे माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी से मुलाकात करने का सौभाग्य मिला। मैं माननीय राष्ट्रपति का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने हमारे राज्य का दौरा करने और अप्रैल 2025 में श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार प्रदान करने का हमारा निमंत्रण स्वीकार किया। उनका बहुमूल्य समय और मार्गदर्शन सचमुच सराहनीय है। इस पुरस्कार का नाम असम के वैष्णव संत और सुधारक श्रीमंत शंकरदेव के नाम पर रखा गया है। असम सरकार 1986 से साहित्य, कला, संस्कृति, पत्रकारिता आदि के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को राष्ट्रीय स्तर का श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार प्रदान करती रही है।

प्रयागराज में सिलेंडर फटने से टेंट में लगी आग

प्रयागराज (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेले में रविवार शाम को सेक्टर 19 कैंपसाइट क्षेत्र में दो से तीन गैस सिलेंडरों में विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्थिति का आकलन करने और आपातकालीन प्रतिक्रिया उपायों की समीक्षा करने के लिए आग स्थल पर पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योगी आदित्यनाथ से बात की और आग की घटना के बारे में जानकारी मांगी। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पहले से ही आयोजन स्थल पर खड़ी कई दमकल गाड़ियां घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद घटनास्थल पर पहुंचीं और बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय अधिकारियों ने पुलिस और अग्निशमन विभागों के साथ समन्वय करके तुरंत प्रयास शुरू किए और कुछ ही समय में आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया। एडीजी भानु भास्कर ने कहा, 'हमें 04:08 बजे सूचना मिली की एक सिलेंडर फटने के कारण सेक्टर 19 में आग लगी है। 3 मिनट में हमारे उत्तर प्रदेश पुलिस और फायर सर्विस के लोग मौके पर पहुंच गए। स्वंय सेवी संस्थान की भी मदद ली गई और लोगों को निकाल लिया गया। स्थल को खाली कराने के बाद आग पर काबू पाया गया।

'मन की बात' कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा

'कुंभ में गरीब और अमीर सब एक हो जाते हैं और सब लोग संगम में डुबकी लगाते हैं'

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। मन की बात में रविवार को पीएम मोदी ने महाकुंभ को एकता और समता-समरसता का असाधारण संगम करार दिया। उन्होंने कहा कि हजारों वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में कहीं भी कोई भेदभाव और जातिवाद नहीं है। पीएम ने महाकुंभ में युवाओं की बढ़ती भागीदारी का उल्लेख किया और कहा कि जब युवा पीढ़ी अपनी सभ्यता के साथ गर्व से जुड़ जाती है तो उसकी सभ्यतागत जड़े और मजबूत होती है और तब उसका स्वर्णिम भविष्य भी सुनिश्चित हो जाता है।

पीएम मोदी ने कुंभ, पुष्करम और गंगा सागर मेले का उल्लेख करते हुए कहा कि ये पर्व सामाजिक मेल-जोल, सद्भाव और एकता को बढ़ाने वाले पर्व हैं। उन्होंने कहा, 'ये पर्व भारत के लोगों को भारत की परंपराओं से जोड़ते हैं।'

प्रधानमंत्री ने कहा, 'कुंभ में दक्षिण, पश्चिम और हर कोने से लोग आते हैं। कुंभ में गरीब और अमीर सब एक हो जाते हैं और सब लोग संगम में डुबकी लगाते हैं। एक साथ भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते हैं। तभी तो कुंभ एकता का महाकुंभ है। कुंभ का आयोजन हमें यह भी बताता है कैसे हमारी परंपराएं पूरे भारत को एक सूत्र में बांधती हैं।' उन्होंने कहा कि इस बार कुंभ में युवाओं की

भागीदारी बहुत व्यापक रूप में नजर आई है। उन्होंने कहा, 'जब युवा पीढ़ी अपनी सभ्यता के साथ गर्व के साथ जुड़ जाती है तो उसकी जड़े और मजबूत होती है और तब उसका स्वर्णिम भविष्य भी सुनिश्चित हो जाता है।'

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'मन की बात' में महाकुंभ का जिक्र करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा, 'प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज मन की बात कार्यक्रम में भारत की एकात्मता के जीवंत प्रतीक, आध्यात्मिकता, समता और समरसता के महासमागम महाकुम्भ के सामाजिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक महत्व पर चर्चा कर हम सभी को मार्गदर्शन प्रदान किया है।'

योगी ने कहा, 'प्रधानमंत्री जी के यशस्वी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना का महोत्सव महाकुम्भ-2025, प्रयागराज हमारी सांस्कृतिक धरोहरों व परंपराओं से आज संपूर्ण विश्व का साक्षात्कार करा रहा है। आज प्रधानमंत्री जी का युवाओं के लिए गर्व के साथ अपनी सभ्यता-संस्कृति के अनुगमन का संदेश उन्हें एक भारत-श्रेष्ठ भारत की भावना से जुड़ने के लिए भी प्रेरित करेगा।'

35 साल के युवक की चाकू से गोदकर हत्या

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस और विधानसभा चुनावों को देखते हुए दिल्ली पुलिस सुरक्षा के बड़े-बड़े दावे कर रही है, लेकिन हकीकत इसके विपरीत है। रविवार रात मध्य दिल्ली स्थित पुलिस भवन के सामने एक नाबालिग ने 35 साल के युवक की चाकू से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी। नाबालिग भीड़ की मौजूदगी में कत्ल करता रहा और लोग तमाशबीन बने रहकर वीडियो बनाते रहे। किसी ने भी युवक को बचाने का प्रयास नहीं किया। बाद में मौके पर पहुंची पुलिस ने 17 वर्षीय नाबालिग को मौके से दबोच लिया। उसके पास से खून से सना चाकू बरामद हो गया। घायल को नजदीकी एलएनजेपी अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया। मध्य जिला पुलिस उपायुक्त एम. हर्षवर्धन ने बताया कि पुलिस भवन के सामने एक ढाबे पर बैठने को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद आरोपी ने युवक की हत्या कर दी। फिलहाल करीब 35 साल के युवक की पहचान नहीं हो पाई। ऐसा लगता है कि वह मजदूरी करता था। वहीं नाबालिग एरिया का लोकल है। उसने सातवीं कक्षा के बाद स्कूल छोड़ दिया था। आरोपी ने बीच सड़क पर युवक की हत्या की। वारदात के बाद से लोग बुरी तरह डरे हुए हैं, कोई भी बोलने के लिए तैयार नहीं है। तुर्कमान गेट चौकी पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हुई थी। मृतक की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। सूचना मिलते ही जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए। क्राइम टीम और एफएसएल को मौके पर बुला लिया गया। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी व वीडियो की मदद से मामले की छानबीन की जा रही है।

आंध्र प्रदेश के विजयवाड़ा में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान के दक्षिणी परिसर, एनडीआरएफ की 10वीं बटालियन और रीजनल रिस्पांस सेंटर के सुपौल परिसर सहित लगभग 220 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करते हुए। (स्त्रोत: पीआईबी)

सरकार का पैसा आम जनता का है हमारा नहीं: हरविंदर कल्याण

विधानसभा अध्यक्ष ने की विकास कार्यों की समीक्षा, अधिकारियों को दिए निर्देश

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष हरविंदर कल्याण ने कहा कि सरकार का पैसा आम जनता का है हमारा नहीं, हम तो केवल कस्टोडियन हैं; अधिकारी अपनी कार्यशैली में बदलाव लाएं और अपने काम को संजीदा तरीके से अंजाम दें; हम अपने आपको सौभाग्यशाली समझें कि हमारे माध्यम से जनता के काम हो रहे हैं, इसलिए क्वालिटी से समझौता कतई ना करें;अगर अपनी कार्यशैली में कुछ बदलाव करने की जरूरत है तो आज ही कर लें;कार्य को आगे बढ़ाने की सोच रखें, हमेशा आगे बढ़ें।

श्री हरविंदर कल्याण शनिवार देर सायं को लघु सचिवालय के सभागार में सीएम अनाउंसमेंट, पंचायती राज, एनएचआई, रेलवे तथा घरौंडा विधानसभा क्षेत्र के साथ लगते नगरपालिका के विकास कार्यों की समीक्षा कर रहे थे; उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेंडिंग कार्य को जल्द शुरू करवाए और अंडर प्रोसेस कार्य को जल्द पूरा करवाएं ताकि लोगों को सरकारी योजनाओं व विकास कार्यों का सीधा लाभ मिले और उनकी मूलभूत जरूरतें पूरी हो सकें। श्री कल्याण ने कहा कि सीएम अनाउसमेंट को सभी विभागों के अधिकारी अपनी प्राथमिकताओं में शामिल करे ताकि कार्य जल्द से जल्द पूरे हो सकें। उन्होंने कहा कि आपसी तालमेल बनाकर कार्यों को जल्द पूरा करवाएं, बेवजह कार्यों को लंबित न रखें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि अधिकारी फाइल उपर गई है कहना छोड़ दें क्यूंकि ऊपर तो केवल भगवान है बल्कि ये कहें कि फाइल संबंधित अधिकारी के पास मुख्यालय गई है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों का दायित्व केवल फाइल को मुख्यालय भेजना ही नहीं बल्कि उसे गंभीरता से फॉलो करना भी है। अगर किसी कार्य में दिक्कत आती है तो इसकी सूचना मुझे दे सकते हैं। डीसी उत्तम सिंह ने एक अधिकारी को निदेश देते हुए कहा कि विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर कल्याण खुद सिविल इंजीनियर है इसलिए संबंधित कार्य में इस्तेमाल होने वाली निर्माण सामग्री की गुणवत्ता को परखने में सक्षम हैं;इसलिए सभी विभागों के अधिकारी निर्माण सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें।

बैठक में नगर निगम कमिश्नर डॉ वैशाली शर्मा, अतिरिक्त उपायुक्त यश जालुका, एसडीएम घरौंडा राजेश सोनी, नगराधीश मोनिका शर्मा एडीडीपीओ संजय टांक, जिला शिक्षा अधिकारी सुदेश कुमारी सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के अलावा इंजीनियर विंग के अधिकारी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में की हरियाणा के अंबाला व हिसार के स्टार्टअप की प्रशंसा

हरियाणा सरकार द्वारा दिया जा रहा है युवाओं को स्टार्टअप के लिए विशेष प्रोत्साहन: सीएम

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2025 के अपने पहले 'मन की बात' कार्यक्रम में हरियाणा के अंबाला व हिसार के स्टार्टअप का जिक्र करते हुए कहा कि यह खुशी की बात है कि देश में अंबाला व हिसार जैसे शहर भी स्टार्टअप के केंद्र बन रहे हैं। उन्होंने बताया कि स्टार्टअप कल्चर मात्र बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं है। छोटे शहरों के स्टार्टअप में आधे से ज्यादा का नेतृत्व हमारी बेटियां कर रही हैं। इसके लिए हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए प्रधानमंत्री का धन्यवाद किया।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने रविवार को कैथल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के कार्यक्रम के 118वें प्रसारण को सुना। इस मौके पर विधायक सतपाल जांबा, पूर्व मंत्री श्रीमती कमलेश ढांडा व पूर्व विधायक श्री लीलाराम भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम की समाप्ति के बाद कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में हरियाणा के अंबाला व हिसार के स्टार्टअप का जिक्र करते हुए उनकी प्रशंसा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में भी ऐसे कई युवा हैं, जिनके स्टार्टअप आज मिसाल कायम कर रहे हैं और उनका टर्नओवर लगभग 100 करोड़ से 200 करोड़ रुपए का है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार हरियाणा को एक अग्रणी स्टार्टअप हब के रूप में स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार मेक इन इंडिया और स्टार्टअप इंडिया के उद्देश्यों के साथ तालमेल बिठाते हुए राष्ट्रीय स्टार्टअप इकोसिस्टम में हरियाणा को एक प्रमुख प्लेयर के रूप में स्थापित करने के लिए समर्पित प्रयास कर रही है। इसका उद्देश्य न केवल प्रदेश के आर्थिक विकास को गति देना है, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा करना भी है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि हरियाणा देश भर में नवाचार और उद्यमिता के केंद्र के रूप में अपनी एक विशिष्ट पहचान हासिल कर सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए वित्त वर्ष 2025-26 के आगामी बजट में नई योजनाओं पर सक्रियता से विचार कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने 'मन की बात कार्यक्रम' में संविधान सभा सदस्यों द्वारा किए गए कार्यों, महाकुंभ, अंतरिक्ष में हमारी उपलब्धियों का जिक्र किया। साथ ही नेता जी सुभाष चंद्र बोस को याद कर बताया कि कैसे उन्होंने अंग्रेजों से लोहा लिया। हर साल उनकी जयंती 23 जनवरी को पराक्रम दिवस के तौर पर मनाई जाती है।

इस अवसर पर पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार की भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस नीति है। भ्रष्टाचार किसी भी स्तर पर सहन नहीं किया जाएगा।

राहुल गांधी को नहीं पता कि इंदिरा और नेहरू ने संविधान के साथ कैसे छेड़छाड़ की: नड्डा

(एजेन्सी)।

अहमदाबाद। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को इतिहास का कोई ज्ञान नहीं है और वह नहीं जानते कि उनके पिता (राजीव), दादी (इंदिरा) और दादी के पिता (नेहरू) ने संविधान के साथ छेड़छाड़ करने के क्या-क्या प्रयास किए थे। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने 65 वर्षों तक देश पर शासन किया और उसके नेताओं ने संविधान के साथ छेड़छाड़ कर इसके बुनियादी प्रावधानों को नष्ट करने की कोशिश की। वह भाजपा के 'संविधान गौरव अभियान' में बोल रहे थे।

हाल में, केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ एक टिप्पणी में 'इंडियन स्टेट' (भारतीय राज व्यवस्था) शब्द का इस्तेमाल करने को लेकर राहुल पर उन्होंने प्रहार किया। नड्डा ने कहा, 'आज हमारे कांग्रेस नेता कहते हैं कि वे इंडियन स्टेट (भारतीय राज व्यवस्था) के खिलाफ लड़ रहे हैं। उन्हें इतिहास का कोई ज्ञान नहीं है, न ही उनका इससे कोई लेना-देना है।' उन्होंने कहा कि राहुल उन्हें सौंपे गए भाषणों की सामग्री और संदर्भ को समझे बिना उन्हें 'सिर्फ पढ़ते' हैं। राहुल ने हाल ही में कहा था, 'भाजपा और आरएसएस ने इस देश की हर एक संस्था पर कब्जा कर लिया है और अब हम भाजपा, आरएसएस और भारतीय राज व्यवस्था से लड़ रहे हैं।' नड्डा ने कहा, 'भारत अपना 76 वां गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा

है। ऐसे में हमें याद रखना चाहिए कि किसने संविधान के साथ छेड़छाड़ की और इसके बुनियादी प्रावधानों को नष्ट करने की कोशिश की। यह भी याद रखें कि किसने संविधान की रक्षा की और किसने बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों की रक्षा करने के साथ उन्हें रेखांकित करने का काम किया।' उन्होंने कहा कि नागरिकों को उन पाखंडी लोगों से सचेत और सावधान रहना चाहिए जो संविधान को पढ़े बिना इसकी प्रति लेकर घूमा करते हैं।

राहुल भाजपा पर हमला करने के लिए अक्सर अपनी चुनावी रैलियों में संविधान की प्रति अपने साथ रखते हैं। नड्डा ने कहा, 'उन्हें (राहुल को) नहीं पता कि उनके पिता (राजीव गांधी), दादी (इंदिरा गांधी) और दादी के पिता (जवाहरलाल नेहरू) ने क्या किया था। उन्हें ये बातें पता होनी चाहिए।' उन्होंने आंबेडकर को उद्धृत करते हुए कहा कि भले ही संविधान खराब हो, फिर भी इसे अच्छा किया जा सकता है अगर इसे लागू करने वालों की मंशा सही हो। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस नेता 'बुरे' थे, लेकिन भाजपा के नेता 'अच्छे' हैं जिन्होंने अनुच्छेद 370 को खत्म (जम्मू-कश्मीर में) करने जैसे कदम उठाए, एक देश एक कर लागू किया और समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।'

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, 'जब 1949 में संविधान को अंगीकार किया जा रहा था, तो डॉ. आंबेडकर ने कहा था कि संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, अगर इसे लागू करने वाला बुरा है, तो यह विफल हो जाएगा।' नड्डा ने कहा कि अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35(ए) को आंबेडकर के विरोध के बावजूद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा लागू किया गया और इन प्रावधानों ने जम्मू-कश्मीर के लोगों को संविधान में निहित बुनियादी अधिकारों से वंचित कर दिया।

उन्होंने कहा कि कुछ प्रावधानों ने जम्मू कश्मीर को अस्त-व्यस्त कर दिया था जिसे केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने निरस्त कर दिया। उन्होंने कहा, 'आंबेडकर और (जनसंघ संस्थापक) श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भी इन प्रावधानों का विरोध किया था। हमारी संसद में पारित किए गए 126 कानूनों को जम्मू-कश्मीर में लागू नहीं किया गया, जिससे वहां के लोग कई अधिकारों से वंचित हो गए।' केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'आपको खराब और अच्छे लोगों के बीच का अंतर समझना चाहिए...जब आपने मोदी को प्रधानमंत्री बनाया, तो 6 अगस्त 2019 को मोदी की इच्छा शक्ति और अमित शाह की रणनीति ने अनुच्छेद 370 को खत्म करने में मदद की।'

महाकुंभ में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 25 हजार नए राशन कार्ड बनाए गए, 12 हजार लोगों ने अब तक लिया राशन

संजना भारती/पीआईबी

उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा महाकुम्भ में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 25 हजार नए राशन कार्ड बनाए गए हैं। इस बार महाकुम्भ में श्रद्धालुओं के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। 35 हजार से ज्यादा गैस सिलेंडर रिफिल कराए जा चुके हैं तो 3500 नए कनेक्शन भी जारी किए गए हैं। मेले में 5000 गैस सिलेंडर प्रतिदिन के हिसाब से रिफिल करने का काम किया जा रहा है।

महाकुम्भ में आने वाले कल्पवासियों और संस्थाओं के लिए इस बार विशेष इंतजाम किए हैं। इन्हें राशन उपलब्ध कराने के लिए महाकुम्भनगर में 25,000 नए राशन कार्ड बनाए गए हैं। महाकुम्भनगर के जिला पूर्ति अधिकारी सुनील सिंह ने बताया कि अब तक 12,000 से अधिक लोग राशन प्राप्त कर चुके हैं और यह प्रक्रिया निरंतर जारी है। ताकि किसी को भी यहां खाद्य सामग्री की कमी का सामना न करना पड़े। यह कदम आयोजन के दौरान लोगों के लिए एक

बड़ी राहत साबित हो रहा है।

महाकुम्भ नगर में खानपान की व्यवस्था दुरुस्त रखने के लिए अब तक 35,000 से ज्यादा गैस सिलेंडरों को रिफिल किया जा चुका है। इसके अलावा 3,500 नए गैस कनेक्शन भी जारी किए गए हैं। जिला पूर्ति अधिकारी सुनील सिंह ने बताया कि प्रतिदिन 5,000 गैस सिलेंडरों की रिफिलिंग की जा रही है। जिससे महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

महाकुम्भ के आयोजन में अखाड़ों और कल्पवासियों के लिए प्रमुखता से खाद्य सामग्री उपलब्ध कराई जा रही है। इन लोगों के लिए आटा 5 रुपये और चावल 6 रुपये प्रति किलो की दर से उपलब्ध कराया जा रहा है। इसके अलावा, मेला क्षेत्र में 138 दुकानों पर विशेष इंतजाम किए गए हैं, जहां श्रद्धालु उचित मूल्य पर आवश्यक वस्तुएं प्राप्त कर सकते हैं।

महाकुम्भ में अखाड़ों, कल्पवासियों और संस्थाओं को गैस सिलेंडर की आवश्यकता होती है। इसके लिए मेला क्षेत्र के सभी सेक्टरों में एजेंसियां गैस कनेक्शन उपलब्ध करा रही हैं।

महाकुंभ एकता और समता का संगम: भजनलाल शर्मा

एसबी संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को उत्तरप्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ में जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी श्री अवधेशानंद जी, तुलसी पीठाधीश्वर जगद्गुरू श्री रामभद्राचार्य जी, निरंजनी पीठाधीश्वर महामंडलेश्वर श्री कैलाशगिरी जी से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने आचार्य श्री मृदुल कृष्ण जी महाराज के श्रीमुख से श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण किया। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि इस महाकुंभ में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के विकास के साथ विरासत के संरक्षण का विजन देखने को मिल रहा हैं। उन्होंने कहा कि महाकुंभ एकता और समता का संगम हैं तथा इसका साक्षी बनना अभिभूत करने वाला हैं। उन्होंने महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं की सराहना भी की। मुख्यमंत्री श्री शर्मा की इस दौरान असम के राज्यपाल श्री लक्ष्मण आचार्य से भी मुलाकात हुई।

सम्पादकीय

मुफ्त की रेवड़ी

आजकल अरविंद केजरीवाल रोज प्रेस के सामने आकर बड़ी बड़ी बातें कर रहे हैं लेकिन आंकड़े बता रहे हैं कि पिछले पांच सालों में इन्होंने कुछ काम नहीं किया और सारा वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा से लड़ने में बर्बाद कर दिया। जिस विधानसभा को दिल्ली के लोगों की समस्याओं का हल निकालना था उसको आम आदमी पार्टी ने मोदी सरकार के खिलाफ प्रस्ताव पास करने का मंच बनाकर रख दिया। दिल्ली विधानसभा को किस तरह आम आदमी पार्टी ने अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति का मंच बना कर रखा इसे आप इसी से समझ सकते हैं कि निवर्तमान विधानसभा ने पूरे पांच साल में मात्र 74 दिन ही कार्य किया। पांच साल में 1825 दिन होते हैं मगर इनमें से काम हुआ मात्र 74 दिन। हम आपको बता दें कि यह दिल्ली की विधानसभा के अब तक के सबसे कम कार्य दिवस का रिकॉर्ड है। इसके अलावा बड़ी-बड़ी बातें करने वाली आम आदमी पार्टी की सरकार ने पूरे पांच साल में मात्र 14 विधेयक पारित किये। यानि दिल्ली की विधानसभा ने अपने इतिहास में पांच साल में सबसे कम विधेयक पारित करने का रिकॉर्ड भी बनाया है। खास बात यह रही कि यह जो 14 विधेयक पारित हुए उनमें से पांच विधायकों के भत्ते, सुविधाएं और उन्हें मिलने वाली सैलरी से संबंधित थे। साथ ही दिल्ली के विधायकों के कामकाज का आकलन इसी से लगाया जा सकता है कि 2020 से 2025 तक विधायकों ने विधानसभा में सालाना आधार पर औसत 219 प्रश्न ही पूछे। इसके अलावा आम आदमी पार्टी के शासन में विधानसभा में जिस दिन भी कार्यवाही हुई वह औसतन मात्र तीन घंटे तक चली। इसके अलावा विधानसभा के 74 कार्य दिवसों में से मात्र नौ दिन ही प्रश्नकाल हुआ। यही नहीं, आम आदमी पार्टी की सरकार ने कभी विधानसभा का सत्रावसान भी नहीं किया ताकि जब चाहें विधानसभा की बैठक बुला सकें और वहां से राजनीतिक बयानबाजी कर सकें। दरअसल विधानसभा का सत्रावसान होने पर सत्र को दोबारा आहूत करने के लिए उपराज्यपाल की अनुमति चाहिए होती है और उन्हें सदन की बैठक बुलाने का कारण भी बताना होता है। आम आदमी पार्टी को लगता था कि यदि उपराज्यपाल ने बैठक बुलाने की अनुमति नहीं दी तो कैसे अपने राजनीतिक हित सधेंगे इसलिए वह कभी सत्रावसान करते ही नहीं थे। यही नहीं, विधानसभा में सीएजी की जो रिपोर्टें प्रस्तुत की जानी थीं वह भी नहीं की गयीं। जहां तक आम आदमी पार्टी की सरकार की ओर से बांटी जाने वाली मुफ्त रेवड़ियों की बात है तो उसकी सच्चाई यह है कि जनता को जितना दिया नहीं गया उतना हर योजना में घोटाला हो गया है। यह घोटाले भी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तरीके के हैं। मसलन एक दारू की बोतल पर दूसरी बोतल फ्री दी गयी लेकिन शराब नीति के जरिये घोटाला करके दिल्ली के सरकारी खजाने को हजारों करोड़ रुपए का चूना लगा दिया गया। जनता को 200 यूनिट बिजली फ्री देने की बात की गयी लेकिन एक यूनिट फालतू होते ही भारी भरकम बिजली बिल भेजे गये। जनता को 700 लीटर पानी फ्री देने की बात हुई लेकिन लोगों के भारी भरकम पानी के बिल आये। खास बात यह रही कि पानी का बिल तो हर महीने आ गया लेकिन नल से जल हर रोज नहीं आया और जहां जहां नल से जल आया वह गंदा आया। इसके अलावा प्रदूषण से निबटने की कोई स्थायी और प्रभावी योजना नहीं होने के चलते दिल्ली इतनी प्रदूषित हो गयी कि लोगों को तमाम तरह की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां हो गयी हैं। अक्सर बुजुर्गों को होने वाली सांस की बीमारी दिल्ली के बच्चों को भी हो गयी है। दिल्ली में पवित्र यमुना नदी को गंदा नाला बनने से रोकने में आम आदमी पार्टी की सरकार पूरी तरह विफल रही। दिल्ली में यमुना का जल इतना प्रदूषित है कि त्योहारों पर श्रद्धालु अगर पानी में चले जायें तो उन्हें चर्म रोग हो जाते हैं और इस पानी का शोधन करने में मशीनों के हाथ पांव फूल जाते हैं। यही नहीं, दिल्ली की सरकार अपने शिक्षा मॉडल का ढिंढोरा खूब पीटती है लेकिन अपने अब तक के कार्यकाल में वह एक भी नया स्कूल, एक भी नया कॉलेज या एक भी नया अस्पताल नहीं बना सकी है। दिल्ली में जल निकासी की व्यवस्था इतनी खराब है कि बारिश आने पर बेसमेंट में पानी भर जाने से छात्र डूब कर मर जाते हैं। यही नहीं, दिल्ली एमसीडी में आम आदमी पार्टी का शासन होने के बावजूद कूड़े के पहाड़ वहीं के वहीं हैं। इसके अलावा, अरविंद केजरीवाल भले इस समय मंदिर मंदिर जाकर हिंदुओं को लुभाने के प्रयास कर रहे हैं लेकिन तथ्य यह है कि आम आदमी पार्टी के शासन के दौरान ही हिंदू दीवाली पर पटाखे नहीं चला पाये। यह बात भी गौर करने लायक है कि आम आदमी पार्टी महिलाओं को अभी 1000 रुपए मासिक देने और चुनाव बाद 2100 रुपए देने की बात कर रही है लेकिन सवाल उठता है कि महिलाओं की सुध उसे अपने शासन की शुरूआत या मध्य में क्यों नहीं आई थी? यही नहीं, एक दारू की बोतल पर दूसरी दारू की बोतल फ्री देकर आम आदमी पार्टी ने महिलाओं का ही सिरदर्द सबसे ज्यादा बढ़ाया था।

न सुशासन, न रोजगार, सिर्फ फ्री-बीज की बौछार

-कमलेश पांडेय

देखा जाए तो कबीलाई युग से लोकतांत्रिक सरकार तक मनुष्य की पहली जरूरत शांति और सुरक्षा है, ताकि वह मेहनत करते हुए अपना जीवन निर्वाह कर सके और इस देश-दुनिया को बेहतर बनाने में अपने हिस्से का योगदान दे सके। हालांकि, ऐसे सुशासन की गारंटी न तो तब मिली थी और न अब मिली हुई है। शासक-प्रशासक बेहतर हो तो क्षणिक सुख-शांति संभव है, अन्यथा जलालत ही मानवीय सच है

राजनीतिक दलों के द्वारा चुनावों के समय मतदाताओं के लिए एक से बढ़कर एक 'फ्रीबीज' की जो बौछारें हो रही हैं, वह वोटर्स को 'रिश्वत' नहीं तो और क्या है, इसे समझना जरूरी है! वहीं, जिन राजनीतिक दलों ने अपने चुनावी वायदों के अनुपालन में कोताही बरती, उनके खिलाफ क्या कार्रवाई होनी चाहिए, यह भी स्पष्ट नहीं है! इसलिए वायदे करो और फिर मुकर जाओ या फिर आधे-अधूरे पूरे करो, कोई पूछने वाला नहीं है! तभी तो राजनीतिक दलों की बल्ले-बल्ले है। चूंकि दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 का शोर मचा हुआ है, इसलिए इस फ्रीबीज की चर्चा पुनः आवश्यक है, ताकि मतदाता जागरूक हो सकें।

कहने को तो दिल्ली को छोटा हिन्दुस्तान और दिल वालों का शहर कहा जाता है, लेकिन पिछले 10-12 वर्षों में यहां जितनी राजनीतिक दिलग्गी हुई, वह बात किसी से छुपी हुई नहीं है। चाहे केंद्र में सत्तारूढ़ बीजेपी और एनडीए हो या फिर राज्य में सत्तारूढ़ आप और इंडिया गठबंधन, जिससे कभी आप जुड़ती है तो कभी 'तलाक' ले लेती है! और देश की मुख्य विपक्षी पार्टी कांग्रेस जो अपने नेतृत्व वाले गठबंधन या फिर अपने द्वारा समर्थित गठबंधन का अपनी सुविधा के अनुसार 'गला मरोड़ने' में माहिर समझी जाती है, ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में राजनीतिक किंतु-परन्तु की सारी हदें पार कर चुकी हैं। चूंकि इन राजनीतिक दलों ने खुद के लिए कोई आदर्श राजनीतिक नियम और उसके निमित्त बाध्यकारी कानून नहीं बनाकर रखे हैं, या फिर नाममात्र का बनाए हुए हैं, जिसकी व्याख्या ये लोग अपने मनमुताबिक कर लेते हैं, इसलिए इनकी सारी राजनीतिक हरकतें जायज समझी जाती हैं। वहीं, इनको तोहफा या सजा बस जीत-हार के माध्यम से जनता जनार्दन ही देती आई है। यहां भी वह मतदाता दलित-महादलित, पिछड़ा-अत्यंत पिछड़ा, सवर्ण-गरीब सवर्ण, आदिवासी-अल्पसंख्यक, महिला-पुरुष, युवा-बुजुर्ग, किसान-मजदूर, कामगार या पूंजीपति आदि इतने खानों में विभाजित है कि उनकी फूट डालो और शासन करो की नीति अक्सर सफल होती आई है।

शायद इसलिए जनता, सरकार और सुशासन के मुद्दे गौण पड़ जाते हैं और फ्रीबीज की चर्चा घर-घर पहुंचकर चुनावी खेल कर देती है। ऐसे में सुलगता हुआ सवाल है कि सुशासन से लेकर रोजगार के मोर्चे पर विफल हो चुकीं जनतांत्रिक सरकारों के द्वारा जिस तरह से फ्रीबीज की घोषणाएं की जा रही हैं, क्या यह देश की आर्थिक व्यवस्था यानी अर्थव्यवस्था के लिहाज से उचित है या फिर अनुचित है? यदि अनुचित है तो इससे बचने का रास्ता क्या है?

देखा जाए तो कबीलाई युग से लोकतांत्रिक सरकार तक मनुष्य की पहली जरूरत शांति और सुरक्षा है, ताकि वह मेहनत करते हुए अपना जीवन निर्वाह कर सके और इस देश-दुनिया को बेहतर बनाने में अपने हिस्से का योगदान दे सके। हालांकि, ऐसे सुशासन की गारंटी न तो तब मिली थी और न अब मिली हुई है। शासक-प्रशासक बेहतर हो तो क्षणिक सुख-शांति संभव है, अन्यथा जलालत ही मानवीय सच है।

याद दिला दें कि एक जमाने में जो राजनीतिक दल शिक्षा और स्वास्थ्य के बजट में कटौती दर कटौती करते चले गए कि राजकोषीय घाटा को पाटना है! और अब उन्हीं के द्वारा जब फ्रीबीज की वकालत हो रही है तो इस सियासी तिकड़म को समझना भी दिलचस्प है। चाहे संसदीय चुनाव हो या विधान मंडलीय चुनाव, या फिर स्थानीय चुनाव, होने तो 5 साल में ही हैं। इसलिए जैसे तैसे चुनावी वायदे करके सरकार बना लो, इसी घुड़दौड़ में सभी राजनीतिक दल जूटे हुए हैं। अब लोगों की दिलचस्पी न तो आजादी के तराने सुनने में है, न ही हिंदुत्व की माला जपने में। समाजवाद से लेकर वामपंथ तक अपने ही राजनीतिक हमाम में नंगे हो चुके हैं। ऐसे में कांग्रेस विरोधी 'सम्पूर्ण क्रांति' की सफलता-विफलता के लगभग चार दशक बाद हुई दूसरी कांग्रेस विरोधी 'अन्ना हजारे क्रांति' की सफलता से उपजी आम आदमी पार्टी ने जो फ्रीबीज की सियासी लत लगाई और दिल्ली से पंजाब तक कांग्रेस-भाजपा का सफाया कर दी, उससे दोनों पार्टियों ने शुरूआती आलोचनाओं के बाद आप के सियासी एजेंडे को ही अपनाने में सफलता पाई। हिमाचल प्रदेश से कर्नाटक तक कांग्रेस की विजय और हरियाणा से उड़ीसा तक भाजपा की जीत इसी बात की साक्षी है।

यही वजह है कि भाजपा नीत एनडीए, आप नीत संभावित तीसरा मोर्चा और कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन ने दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 में एक-दूसरे को मात देने के लिए अपने-अपने फ्रीबीज के सियासी घोड़े खोल रखे हैं। वह भी तब, जब करदाताओं की ओर से इसकी खुलेआम आलोचना हो रही है। वहीं, आपने देखा-सुना होगा कि केंद्र सरकार की अटपटी नीतियों पर सर्वोच्च न्यायालय तक ने टिप्पणी की, कि आखिर 80 करोड़ लोगों को आप कबतक मुफ्त या फिर कम कीमत पर अनाज देंगे। ऐसे में उन्हें आप रोजगार क्यों नहीं दे देते! कोर्ट की यह टिप्पणी जायज है और प्रशासन यदि चाहे तो उसके लिए यह मुश्किल भी नहीं है।

वहीं, आम आदमी पार्टी ने अनुमन्य यूनिट तक फ्री बिजली, फ्री पानी, फ्री और किफायती शिक्षा व स्वास्थ्य, महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा, लक्षित वर्गों को अलग-अलग नगद आर्थिक मदद आदि जैसी जो चुनावी-प्रशासनिक रवायतें शुरू की है, और अब उन्हीं की देखा-देखी कांग्रेस और भाजपा जैसी राष्ट्रीय पार्टियों में भी इस नीतिगत मुद्दे पर आपाधापी मची हुई है, यह नीति एक नए आर्थिक और अर्थव्यवस्था के संकट को जन्म दे सकती है। इसलिए इसको हतोत्साहित करने के लिए मतदाताओं को ही आगे आना होगा, अन्यथा यह नीति भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए आर्थिक कैंसर साबित होंगे। डॉलर के मुकाबले गिरते रुपये भी तो इसी बात की चुगली करते हैं।

आपने देखा-सुना होगा कि सरकार ने उद्योगपतियों के इतने के कर्जे माफ कर दिए, या फिर इतनी की सब्सिडी इन-इन धंधों/पेशों में दी जा रहीं हैं। इसी तरह से सरकार ने किसानों के इतने के कर्जे माफ कर दिए और इन-इन चीजों पर इतनी सब्सिडी दे रही है। इसी तरह से समाज के विभिन्न वर्गों को भी लुभाने के लिए सरकार कुछ न कुछ देकर दानी-दाता बनी हुई है। लेकिन सबसे बड़ा सवाल यह है कि सरकार सबको सुशासन क्यों नहीं दे रही है? सड़कों पर इंसान सुरक्षित क्यों नहीं है? चाहे खेती हो या कारोबार, चोरी और लूट की बढ़ती फितरत से उद्यमी व मेहनतकश वर्ग परेशान है। वहीं, डिजिटल धोखाधड़ी और प्रशासनिक तिकड़मों का तो कहना ही क्या है? बेहतर पुलिसिंग आज भी यक्ष प्रश्न है। वहीं, राष्ट्रीय प्राकृतिक संसाधनों पर सरकार और उसके पूंजीपति मित्रों का बढ़ता कब्जा, भूमि और मौद्रिक संसाधनों के असमान बंटवारे की नीति, समान मताधिकार से इतर विभिन्न कानूनी असमानताएं समाज और व्यवस्था को निरंतर खोखला करती जा रही हैं। इससे पूंजीपतियों की जमात, उनके शागिर्द, प्रशासनिक हुक्मरान और उसकी पूरी चेन, निर्वाचित जनप्रतिनिधियों की फौज और उनके करीबी लोग तो हर तरीके से मस्त हैं, लेकिन आमलोगों की फटेहाली पर तरस खाना स्वभाविक है। जिनके पास कुछ पूंजी-पगहा, मकान-दुकान या खेती योग्य जमीन या फिर छोटी-मोटी निजी या सरकारी नौकरी है, वह तो किसी तरह गुजर-बसर कर लेते हैं, लेकिन जो न शिक्षित हैं, न संसाधनों से लैस, उनकी बेचारगी देखते ही बनती है।

ऐसे में सबको समान शिक्षा और योग्यता के मुताबिक रोजगार देने की सरकारी नीति आखिर कब आकार लेगी, ज्वलंत प्रश्न है। वहीं, न तो सबके लिए जनस्वास्थ्य सुनिश्चित है और न ही सुविधाजनक परिवहन। गरीबी हटाओ और रोटी-कपड़ा-मकान का नारा भी टांय-टांय फिस्स हो चुका है। सबको शिक्षा-स्वास्थ्य-सम्मान की सामाजिक न्याय वाली बात भी पूंजीपतियों के एजेंडे की दासी बन चुकी है।

यह सब इसलिए कि भले ही सरकार अपने नागरिकों के लिए विभिन्न राष्ट्रीय समानताओं की बात करती है, लेकिन असमान कानूनों को गढ़कर वह ही सबसे ज्यादा सामाजिक विभेद भी पैदा कर रही है। सवाल है कि उसका लोकतंत्र आखिर पूंजीपतियों का संरक्षक क्यों बना बैठा है। क्या फ्रीबीज का लॉलीपॉप थमाकर पूंजीपति सभी राष्ट्रीय संसाधनों पर काबिज हो जाएंगे, फिर उसके बाद लोगों को बाबाजी का ठुल्लू थमा देंगे, यही उनकी योजना है। यदि यही न्यू वर्ल्ड आर्डर है या फिर ग्लोबल पैटर्न तो फिर समाज के प्रबुद्ध वर्ग को सावधान हो जाना चाहिए। क्योंकि दलितों और पिछड़ों के लोकलुभावन वोटिंग पैटर्न के चक्कर में सबसे ज्यादा समाज का माध्यम वर्ग ही पिसेगा, यही नई त्रासदी है।

वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

युद्ध विराम समझौते का ईमानदारी से पालन जरूरी

-ललित गर्ग

अक्तूबर, 2023 में हमास के हमले से आहत इस्राइल कई मोर्चों पर लगातार युद्ध से थक चुका है, लेकिन अभी भी अरब जगत उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है। ऐसी आशंका इसीलिए भी है कि कई बार बातचीत अंतिम दौर पर पहुंचते-पहुंचते पटरी से उतरती गई है। बात और घात लगातार चलते रहे हैं। अब भविष्य में देखना होगा कि दोनों पक्ष समझौते के अमल के प्रति कितनी ईमानदारी से प्रतिबद्ध नजर आते हैं

यह शांतिपूर्ण विश्व संरचना के लिये सुखद ही है कि करीब डेढ़ वर्ष से जारी इस्राइल-हमास संघर्ष खत्म करने के लिये युद्धविराम पर सहमति बन गई है। लेकिन इस एवं ऐसे युद्धों ने ऐसे अनेक ज्वलंत प्रश्न खड़े किये हैं कि जब युद्ध की अन्तिम निष्पत्ति टेबल पर बैठकर समझौता करना ही है तो यह युद्ध के प्रारंभ में ही क्यों नहीं हो जाता? युद्ध भीषणतम तबाही, असंख्य लोगों की जनहानि एवं सर्वनाश का कारण बनता है तो ऐसी तबाही होने ही क्यों दी जाये? खैर देर आये दुरस्त आये, इजराइल और हमास ने बुधवार को युद्ध विराम समझौते के पहले मसौदे पर सहमति जताई, जो संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में अब तक का सबसे बड़ा एवं अहम कदम है। अन्य बातों के अलावा, 60-दिवसीय युद्ध विराम प्रक्रिया में दोनों पक्षों के बंधकों को रिहा करना, सहायता बढ़ाना, नष्ट हो चुके फिलिस्तीन का पुनर्निर्माण करना और हमलों को रोकना शामिल होगा। डेढ़ साल से अधिक समय के युद्ध के बाद, युद्ध विराम फिलिस्तीन के लोगों तथा हमास द्वारा बंधक बनाए गए लोगों के लिए बहुत जरूरी राहत है। इसी तरह रूस एवं यूक्रेन के बीच लम्बे समय से चल रहा युद्ध भी समाप्त हो, यह शांतिपूर्ण उन्नत विश्व संरचना के लिये नितांत अपेक्षित है। क्योंकि ऐसे युद्धों से युद्धरत देश ही नहीं, समूची दुनिया पीड़ित, परेशान एवं प्रभावित होती है। इस तरह युद्धरत बने रहना खुद में एक असाधारण और अति-संवेदनशील मामला है, जो समूची दुनिया को विनाश एवं विध्वंस की ओर धकेलने देता है। ऐसे युद्धों में वैसे तो जीत किसी की भी नहीं होती, फिर भी इन युद्धों का होना विजेता एवं विजित दोनों ही राष्ट्रों को सदियों तक पीछे धकेल देता, इससे भौतिक हानि के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने के साथ बड़ी जनहानि का भी बड़ा कारण बनता है।

इस्राइल-हमास में पिछले डेढ़ साल से चल रहे युद्ध के विराम को एक अहम कामयाबी माना जा रहा है। भले ही इस समझौते के लिये अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बीच संघर्ष समाप्ति का श्रेय लेने की होड़ हो, लेकिन गाजा के लोग जिस मानवीय त्रासदी से जूझ रहे थे, उन्हें जरूर इससे बड़ी राहत मिलेगी। संयुक्त राष्ट्र के तमाम प्रयासों व मध्यपूर्व के इस्लामिक देशों एवं भारत की बार-बार की गई पहल के बावजूद अब तक शांति वार्ता सिरे न चढ़ सकी थी। जिसकी कीमत करीब पचास हजार लोगों ने अपनी जान देकर चुकायी। इस युद्ध से गाजा के विभिन्न क्षेत्रों में जो तबाही हुई है, उससे उबरने में दशकों लग सकते हैं।

निस्संदेह, इस्राइल व हमास के बीच युद्ध विराम पर सहमति होना महत्वपूर्ण है, लेकिन जब तक समझौता यथार्थ में लागू होता न नजर आए, तब कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। संघर्ष में वास्तव में हमास के कितने लड़ाके मारे गए यह कहना कठिन है, लेकिन बड़ी संख्या में बच्चों-महिलाओं ने युद्ध में जान गवाई। एक अनुमान के अनुसार गाजा संघर्ष में उपजी मानवीय त्रासदी में करीब बीस लाख लोग विस्थापित हुए हैं। इस्राइली हमलों में अस्पताल-स्कूल भी निशाना बने, जिन्हें शरणार्थियों की सुरक्षित पनाहगाह माना जाता है। इस्राइल पर अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय में युद्ध अपराध तक के आरोप लगाए गए। बहरहाल, जब लंबे समय के बाद शांति की स्थितियां बन रही हैं तो विश्व समुदाय, शक्तिशाली राष्ट्रों व संयुक्त राष्ट्र का दायित्व बनता है कि समझौते की शर्तों को साफ नियत एवं नीति से क्रियान्वित किया जाये। ताकि मध्यपूर्व में स्थायी शांति एवं अमनचैन की राह मजबूत हो सके। निश्चित रूप से युद्ध शांति का विकल्प नहीं हो सकता। इस संघर्ष की शुरूआत भले हमास ने की हो, लेकिन इसकी सबसे बड़ी कीमत उन लोगों ने चुकाई, जो इसके लिये जिम्मेदार नहीं थे। युद्ध के आघात से युद्धरत देशों के साथ समूची दुनिया प्रभावित हुई है। युद्ध के आघात से तात्पर्य युद्ध के दौरान होने वाली दर्दनाक घटनाओं के परिणामस्वरूप व्यक्तियों द्वारा अनुभव किए जाने वाले मनोवैज्ञानिक संकट और शारीरिक-भावनात्मक पीड़ा से है, जैसे कि हिंसा का शिकार होना, दूसरों को नुकसान पहुंचाना, या संघर्ष के कारण प्रियजनों को खोना। युद्ध सामाजिक विश्वास को तोड़ता है, सामाजिक सामंजस्य को कम करता है और सामाजिक एवं राष्ट्रीय पूंजी को नुकसान पहुंचाता है। सशस्त्र संघर्ष के बाद, समाज उपसमूहों में गहराई से विभाजित हो जाता है जो युद्ध विराम के समझौते के बावजूद बाद के दौर में एक दूसरे से डरते हैं और नफरत करते हैं और लड़ाई जारी रखने के लिए तैयार रहते हैं। युद्ध के आघात से पीड़ित लोगों में अक्सर दूसरे पक्ष के साथ मेल-मिलाप करने और शांतिपूर्ण समाधान खोजने की इच्छा कम हो जाती है। कमजोर नागरिक समाज और कम सरकारी क्षमताएं लोगों को बुनियादी जरूरतों को पूरा करने में असमर्थ बना सकती हैं और राज्य के बिगाड़ने वालों या राजनीतिक विरोधियों द्वारा आसानी से हेरफेर किया जा सकता है। यह स्थिति अक्सर हिंसा के निरंतर चक्रों के लिए मंच तैयार करती है।

हालांकि, अक्तूबर, 2023 में हमास के हमले से आहत इस्राइल कई मोर्चों पर लगातार युद्ध से थक चुका है, लेकिन अभी भी अरब जगत उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठा रहा है। ऐसी आशंका इसीलिए भी है कि कई बार बातचीत अंतिम दौर पर पहुंचते-पहुंचते पटरी से उतरती गई है। बात और घात लगातार चलते रहे हैं। अब भविष्य में देखना होगा कि दोनों पक्ष समझौते के अमल के प्रति कितनी ईमानदारी से प्रतिबद्ध नजर आते हैं। हालांकि, अपने बंधकों की जल्द रिहाई को लेकर इस्राइल के विपक्षी राजनीतिक दलों व मंत्रिमंडल में भी मतभेद उभर रहे हैं, लेकिन इतनी लंबी लड़ाई के बाद थक चुकी इस्राइली सेना को भी राहत देने की मांग की जाती रही है। बहरहाल, युद्ध विराम के प्रश्न पर इस्राइल व हमास के बीच सहमति से शांति की उम्मीदें प्रबल हुई हैं। जहां एक ओर अमेरिका में वर्तमान राष्ट्रपति जो बाइडेन व नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप समझौते के लिए श्रेय ले रहे हैं, वहीं ईरान इसे फलस्तीनी प्रतिरोध की जीत बता रहा है।

अभी गाजा में मानवीय सहायता पहुंचाने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को भी दूर किया जाना है। दरअसल, सात अक्तूबर 2023 को हमास के क्रूर हमलों में इस्राइल के बारह सौ लोग मारे गए थे और करीब ढाई सौ लोगों को हमास के लड़ाके सौदेबाजी के लिये बंधक बनाकर ले गए थे। साफ था कि इस अपमानजक घटना का इस्राइल प्रतिशोध लेगा, लेकिन संघर्ष करीब डेढ़ वर्ष तक चलेगा, इसकी उम्मीद किसी को नहीं थी। हालांकि, कुछ इस्राइली बंधक रिहा किए गए, कुछ युद्ध के बीच मारे गए, लेकिन बचे बंधकों की रिहाई का भारी दबाव नेतन्याहू सरकार पर लगातार बना रहा।

जयंती

रतनजी टाटा

जन्म-20 जनवरी, 1871, मुम्बई; मृत्यु-5 सितंबर, 1918, इंग्लैंड) प्रसिद्ध भारतीय उद्योगपति थे जिन्हें 'टाटा समूह' को खड़ा करने वाले चार महान लोगों में से एक माना जाता है। वह एक परोपकारी व्यक्ति थे जो भारत में गरीबी पर अध्ययन के अगुआ लोगों में से थे। आज टाटा समूह में जो परोपकार की विरासत है, उसकी शुरूआत सर रतनजी टाटा ने ही की थी।

पुण्यतिथि

परवीन बाबी

जन्म: 4 अप्रैल 1949; मृत्यु: 20 जनवरी 2005) हिन्दी फिल्मों की एक प्रसिद्ध भारतीय अभिनेत्री थीं। परवीन बाबी ग्लैमरस भूमिकाओं के लिए जानी जाती थीं। 1970-80 के दशक में सिल्वर स्क्रीन पर अपनी सुन्दरता का जलवा बिखरने वाली परवीन बाबी की ज्यादातर फिल्में सुपर हिट रहीं हैं। परवीन अपने माता-पिता की शादी के चौदह साल बाद पैदा हुई थीं और यह इकलौती संतान थीं। उन्होंने अपने पिता को सात साल की उम्र में ही खो दिया था। परवीन बाबी ने औरंगाबाद में अपनी प्रारम्भिक स्कूली शिक्षा की और उसके बाद सेंट जेवियर्स कॉलेज, अहमदाबाद से शिक्षा ग्रहण की। उनके पिता वली मोहम्मद बाबी, जूनागढ़ के नवाब के साथ प्रशासक थे।

कल मिलेंगे

पत्नी (गुस्से में)-मैं घर छोड़कर जा रही हूं...
पति (गुस्से में)-हां 'जान' छोड़ो अब...
पत्नी-बस आपकी यही 'जान' कहने की आदत न मुझे हमेशा रोक लेती है...!

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

इजराइल-हमास युद्धविराम तीन घंटे की देरी के बाद लागू हुआ

(एजेन्सी)।

दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी)। फलस्तीन के चरमपंथी समूह हमास ने उन तीन महिला बंधकों के नाम जारी कर दिए जिन्हें वह रविवार को रिहा करने की योजना बना रहा है। बंधकों के नाम जारी करने के साथ ही संघर्ष विराम को लेकर गतिरोध दूर हो गया। इजराइल ने कहा कि गाजा में संघर्ष विराम स्थानीय समयानुसार सुबह 11 बजकर 15 मिनट पर प्रभावी हो गया है। स्थानीय समयानुसार संघर्ष विराम को सुबह आठ बजकर 30 मिनट पर प्रभावी होना था लेकिन हमास की ओर से बंधकों की सूची जारी नहीं किए जाने के कारण इसमें लगभग तीन घंटे की देरी हुई।

संघर्ष विराम के प्रभावी होते ही युद्ध वाली जगहों पर जश्न मनाया गया और कुछ फलस्तीन अपने घरों की ओर लौटने लगे है। इससे पहले इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि हमास जब तक कई फलस्तीनी कैदियों के बदले में रिहा किए जाने वाले तीन बंधकों की सूची नहीं दे देता, तब तक गाजा में संघर्ष विराम प्रभावी नहीं होगा। नेतन्याहू ने एक बयान में कहा कि उन्होंने सेना को निर्देश दिया है कि स्थानीय समयानुसार सुबह आठ बजकर 30 मिनट पर प्रभावी होने वाला संघर्ष विराम तब तक प्रभावी नहीं होगा जब तक इजराइल के पास रिहा किए जाने वाले उन बंधकों की सूची नहीं आती, जिसे हमास ने उपलब्ध कराने का वादा किया था।

इजराइल की सेना ने कहा कि वह गाजा पट्टी पर हमले जारी रखे हुए है क्योंकि हमास के साथ विवाद के कारण संघर्ष विराम प्रभावी होने में देरी हो रही है। सेना के मुख्य प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हैगरी ने कहा कि जब तक हमास रविवार को रिहा किए जाने वाले तीन बंधकों के नाम नहीं सौंप देता, तब तक संघर्ष विराम प्रभावी नहीं होगा।

संघर्ष विराम में देरी के बाद दक्षिणी शहर खान यूनिस में इजराइली हवाई हमले में कम से कम आठ लोगों की जान चली गई। नासेर अस्पताल ने रविवार के हमले में हताहतों की पुष्टि की, जिसके बारे में उसने कहा कि यह संघर्ष विराम के प्रभावी होने के लगभग दो घंटे बाद हुआ। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को गाजा शहर में हमलों में तीन और मौतों की सूचना दी।

ट्रंप के शपथ ग्रहण के बाद के घटनाक्रमों से तय होगी बाजार की दिशा

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। स्थानीय शेयर बाजारों की दिशा इस सप्ताह एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक जैसी बड़ी कंपनियों के तिमाही नतीजों, डोनाल्ड ट्रंप के अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण करने के बाद की घोषणाओं और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियों से तय होगी। ट्रंप सोमवार को दूसरे कार्यकाल के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। सप्ताह के दौरान बीपीसीएल, एचडीएफसी बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, डॉ रेड्डीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, जेएसडब्ल्यू स्टील और आईसीआईसीआई बैंक सहित कई बड़ी कंपनियां अपने दिसंबर तिमाही के नतीजों की घोषणा करेंगी।

इसके अलावा विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) और घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) के बीच का संघर्ष भी बाजार की जटिलता को और बढ़ा रहा है। स्वस्तिका इन्वेस्टमार्ट लिमिटेड के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक प्रवेश गौड़ ने कहा, जैसे-जैसे तिमाही नतीजों का सीजन आगे बढ़ेगा, निवेशकों का ध्यान आगामी केंद्रीय बजट पर केंद्रित होने की उम्मीद है, जो साल के लिए सरकार के आर्थिक और राजकोषीय रुख की रूपरेखा तैयार करेगा। बाजार प्रतिभागी नीतिगत उपायों, राजकोषीय आवंटन और विकास पहल पर बारीकी से नजर रखेंगे। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर सभी की निगाहें डोनाल्ड ट्रंप पर हैं। ट्रंप 20 जनवरी को औपचारिक रूप से अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे। वह व्हाइट हाउस में फिर वापस लौट रहे हैं। विशेषज्ञों ने कहा कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल के दाम, डॉलर के मुकाबले रुपये की चाल भी बाजार की दिशा के लिए महत्वपूर्ण रहेगी। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड के शोध प्रमुख-संपदा प्रबंधन सिद्धार्थ खेमका ने कहा, तीसरी तिमाही के लिए नतीजों का सिलसिला जारी है। ऐसे में घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव रहेगा। कुछ शेयर विशेष गतिविधियां देखने को मिल सकती हैं। निवेशकों की निगाह कंपनियों के तिमाही नतीजों तथा प्रबंधन की टिप्पणियों पर रहेगी।

उन्होंने कहा कि ट्रंप के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद नीतिगत घोषणाएं वैश्विक स्तर पर बाजार धारणा को काफी प्रभावित करेंगी। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला संसेक्स 759.58 अंक या 0.98 प्रतिशत नीचे आया। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में 228.3 अंक या 0.97 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

अमेरिका में बंद हुआ टिकटॉक, एप्पल और गूगल प्ले स्टोर में हटाया गया ऐप

(एजेन्सी)।

अमेरिका। रविवार को नया कानून लागू होने के बाद, अमेरिका में लोकप्रिय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म टिकटॉक बंद हो गया। इसे शनिवार शाम को ऐप के स्टोर से भी हटा दिया गया। पूर्वी मानक समयानुसार, रात साढ़े 10 बजे तक एप्पल और गूगल के प्लेस्टोर में यह ऐप उपलब्ध नहीं था। बता दें, अमेरिका में टिकटॉक के 170 मिलियन से अधिक उपयोगकर्ता हैं। शनिवार शाम जब उपयोगकर्ताओं ने टिकटॉक खोला तो एक कंपनी की तरफ से एक पॉप अप मैसेज आया, जिसमें लिखा था, 'अमेरिका में टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने का कानून पारित किया गया है। इसका मतलब है कि दुर्भाग्य से आप अब टिकटॉक का इस्तेमाल नहीं कर पाएंगे।' संदेश में लिखा था, 'हम भाग्यशाली हैं कि राष्ट्रपति ट्रंप ने संकेत दिया है कि वह पदभार संभालने के बाद टिकटॉक को बहाल करने के लिए हमारे साथ मिलकर काम करेंगे।' विशेष रूप से, शनिवार को, सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय सुरक्षा के आधार पर अमेरिका में TikTok पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून को बरकरार रखा। कानून के तहत एप्पल और गूगल प्लेस्टोर के इन ऐप को पेश करने पर रोक लगा दी गई है। कानून के तहत टिकटॉक की मूल कंपनी बाइट डांस को प्लेटफॉर्म बेचने या फिर अमेरिका में प्रतिबंध का सामना करने के लिए कहा गया है।

नीरज चोपड़ा ने हिमानी संग रचाई शादी

(एजेन्सी)।

दो बार ओलंपिक पदक जीतकर भारत का नाम रोशन करने वाले नीरज चोपड़ा ने शादी कर ली है। नीरज ने परिवार की मौजूदगी में हिमानी नाम की लड़की से शादी की। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पर अपनी शादी की तस्वीरें साझा की, जिन्हें देखकर फैंस को झटका भी लगा और खुशी भी हुई। शादी की तस्वीरें साझा करते हुए नीरज ने लिखा, 'अपने परिवार के साथ जीवन का एक नया अध्याय शुरू किया। हर आशीर्वाद के लिए आभारी हूं जिसने हमें इस पल तक पहुंचाया। प्यार से बंधे, हमेशा खुश रहेंगे।' नीरज ने अपनी शादी के बारे में जानकारी गुप्त रखी थी। लेकिन उनके द्वारा शादी की खबर सार्वजनिक करते ही शुभकामनाओं का तांता लग गया है। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना और अभिनेता गजराज राव पूर्व ओलंपिक चैंपियन को उनकी शादी की बधाई देने वाले पहले लोगों में से थे।

सात्विक-चिराग सेमीफाइनल में हारे

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी का अभियान शनिवार को यहां इंडिया ओपन सुपर 750 में मलेशिया के गोह सेज फेई और नूर इज्जुद्दीन से सीधे गेम में हारने के बाद सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। 2022 की इस चैंपियन भारतीय जोड़ी को मलेशियाई जोड़ी ने मात्र 37 मिनट में 18-21, 14-21 से हरा दिया। भारतीय जोड़ी ने अच्छी शुरूआत कर बढ़त बनाई, पर मलेशियाई जोड़ी ने अगले छह में से पांच अंक लेकर ब्रेक तक एक अंक की बढ़त ले ली। सात्विक और चिराग ने ब्रेक के बाद कुछ समय के लिए बढ़त हासिल की और 15-12 पर पहुंच गए। हालांकि मलेशियाई जोड़ी ने सात अंक जुटाकर मजबूत वापसी करते हुए पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में मलेशियाई टीम ने 5-0 की बढ़त बना ली, सात्विक की बदौलत भारतीयों ने अंतर 4-8 तक कम कर दिया। मलेशियाई टीम ने फिर ब्रेक तक 11-10 की बढ़त बनाये रखी। लंबे कद के भारतीय जोड़ी ने स्कोर 13-13 से बराबर कर दिया। लेकिन मलेशियाई टीम जीत दर्ज करने में सफल रही। सात्विक और चिराग का यह सत्र का लगातार दूसरा सेमीफाइनल है।

सिंगर दर्शन रावल ने धरल सुरेलिया के संग रचाई शादी

(एजेन्सी)। शादियों का सीजन चल रहा है। हाल ही में सिंगर अरमान मलिक ने आशना श्रॉफ से शादी की। खैर, एक और प्रतिभाशाली सिंगर ने शादी की है और वह हैं दर्शन रावल। एक दशक से भी ज्यादा समय से दर्शन ने अपनी मधुर आवाज, प्रतिभा और अच्छे लुक्स से लोगों का दिल जीता है। गौरतलब है कि दर्शन की सबसे ज्यादा फैन संख्या महिलाओं की है। सिंगर ने आखिरकार धरल सुरेलिया से शादी कर ली है। दर्शन रावल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी शादी की तस्वीरें शेयर की हैं। ये तस्वीरें मस्ती, प्यार और खुशी से भरी हुई हैं। दर्शन और धरल दोनों बेहद ही सुंदर और शानदार लग रहे हैं। इनकी तस्वीरें देखकर हर कोई मुस्कुरा उठेगा। सिंगर ने तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा, "मेरा सबसे अच्छा दोस्त हमेशा के लिए?" दर्शन रावल और धरल सुरेलिया की शादी की तस्वीरों पर प्रशंसकों की भर-भर के बधाईयां दे रहे हैं। फैन्स ने नवविवाहित जोड़े को बधाई दी। एक व्यक्ति ने लिखा, "आप दोनों के लिए गुप्त रूप से शुभकामनाएं देने से लेकर खुशी से भरी शादीशुदा जिंदगी की बात करने तक। आप दोनों बहुत सपनों जैसे लग रहे हैं।" दूसरे ने टिप्पणी की, "आप दोनों को बधाई... आपके लिए बहुत खुश हूं।" एक और प्रशंसक ने लिखा, "तो आखिरकार हम इतने सालों के बाद उसे भाभी कह सकते हैं।" एक और टिप्पणी में लिखा है, "आप लोगों को आपके जीवन के बाकी हिस्सों के लिए केवल और केवल खुशियों की कामना करता हूं।"

मिथिला के वैभवशाली ज्ञान, विज्ञान और दर्शन को कैलेंडर के माध्यम से घर-घर पहुंचाना है प्रशंसनीय

■ मिथिला कैलेंडर सह सम्मान समारोह का भारतेंदु भवन में हुआ समापन

एसबी संवाददाता

वाराणसी। मैथिल समाज, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में रविवार को हिन्दी के तीर्थ भारतेन्दु भवन, चौखम्बा में मिथिला कैलेंडर लोकार्पण सह सम्मान का कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ कवि कोकिल विद्यापति के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित करके आगत अतिथियों द्वारा किया गया।

सम्मान के क्रम में दी बनारस बार एसोसिएशन के सतीश तिवारी और महामंत्री शशांक श्रीवास्तव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष कृष्णकांत दीक्षित, कनिष्ठ उपाध्यक्ष राघवेंद्र दूबे, उपाध्यक्ष दीपक राय कान्हा को मिथिला संस्कृति के प्रतीक पाग, सन्त शिरोमणि परमहंस लक्ष्मीनाथ गोंसाई और महर्षि गौतम का चित्र, माला और सॉल से सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि पद से बोलते हुए बनारस बार के अध्यक्ष सतीश तिवारी ने कहा कि मिथिला कैलेंडर गागर में सागर भरने का काम कर रहा है मिथिला परंपरा अनुसार घर-घर उपयोगी गोसाउनिक गीत, दूर्वाक्षत मंत्र, यज्ञोपवीत धारण मंत्र (1) वाजसनेयिनां, (2) छन्दोगनां मंत्र और गायत्री मंत्र का समावेश बहुत ही प्रशंसनीय है।

मिथिलांचल के लोग इस कैलेंडर का इन्तजार बेसब्री करते हैं ज्ञानवर्धक के साथ साथ यह बहुउपयोगी भी है। मिथिला पंचांग के अनुसार शुभ लगन, विवाह, मुण्डन, उपनयन, गृहप्रवेश आदि पंचांग के अनुसार के अनुसार है जो सभी के लिए आवश्यक है। कार्यक्रम कि अध्यक्षता करते हुए काशी पत्रकार संघ के अध्यक्ष डॉ अत्रि भारद्वाज ने कहा कि

■ बहुउपयोगी है मिथिला कैलेंडर
■ ऋषि परंपरा को सहेजे हुए है मिथिला कैलेंडर

इस वर्ष कैलेंडर में मिथिला के ऋषि परम्परा को दशार्या गया है जो बहुत ही प्रशंसनीय कार्य है सप्त ऋषियों में महर्षि गौतम, सन्त शिरोमणि परमहंस लक्ष्मीनाथ गोंसाई, ऋषि कणाद, प्रातः स्मरणीय पुरी शंकराचार्य स्वामी निश्चलानन्द, महाकवि कालिदास और कवि कोकिल विद्यापति के बारे में संक्षिप्त और ज्ञानवर्धक जानकारी दी गई है। नई पीढ़ी के युवा इस कैलेंडर के माध्यम से अपने गौरवशाली इतिहास पर गर्व की अनुभूति करेंगे। आज के युवाओं को अपने पूर्वजों से मिले महान विरासत को सहेजने और संवारने का काम करना चाहिए।

मुख्य वक्ता के रूप में बीएचयू हिन्दी विभाग के वरिष्ठ प्रो प्रभात कुमार मिश्र ने अपने उद्गार व्यक्त किये। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रख्यात साहित्यकारा डा सविता 'सौरभ', डा छाया शुक्ल, सुरेन्द्र नाथ पाण्डेय, वरिष्ठ अधिवक्ता विन्ध्याचल चौबे, प्रेम प्रकाश सिंह गौतम, अमित तिवारी, साहित्यकार डा जय शंकर जय, डा रवि झा उपस्थित थे। कार्यक्रम का संयोजन/संचालन गौतम कुमार झा (एडवोकेट) ने किया। विषय स्थापना संस्था के कोषाध्यक्ष डा विजय कपूर ने किया।

स्वागत भारतेंदु हरिश्चन्द्र के वंशज दीपेश चन्द चौधरी ने और धन्यवाद संस्था के प्रदेश अध्यक्ष निरसन कुमार झा एडवोकेट ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख से सुधीर चौधरी, डा जयशंकर जय, हरिमोहन पाठक, नटवर झा, अमित तिवारी, भगीरथ मिश्र, बृष्टि, सुरभि सुन्दरी आदि लोग उपस्थित थे।

दिल्ली में तीसरा हैल्थ वॉरियर क्रिकेट टूर्नामेंट का 15वां मैच व फाइनल मुकाबला GTBH और RGSS के बीच खेला गया। जिसमें RGSS ने जीत अपने नाम दर्ज किया। इस मौके पर अपनी खुशी को जाहिर करते हुए खिलाड़ी व अन्य। (छाया: संजना भारती संवाददाता)

बेगूसराय वासियों से माफी मांगे मुख्यमंत्री नीतीश और उनके सहयोगी: रंजीत

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय। कांग्रेस प्रवक्ता रणजीत कुमार मुखिया जी ने रविवार को प्रेस बयान जारी कर कहा कि प्रगति यात्रा के दौरान मनिअप्पा गांव में महिलाओं के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग करने के कारण मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उनके तमाम सहयोगियों को बेगूसराय की जनता से माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस पार्टी नीतीश कुमार के बयान की निंदा करती है। प्रवक्ता ने कहा प्रगति यात्रा से जिला वासियों को तनिक भी फायदा नहीं हुआ। बदले में कई जगह आपातकाल जैसी स्थिति दिखाई दी। एनडीए अपना वजूद बचाने के लिए बिहार के खजाने का दुरुपयोग कर रही है।

प्रगति यात्रा: सीएम नीतीश कुमार ने बेगूसराय को दिया 563 करोड़ की सौगात

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मिन्टू कुमार झा

बेगूसराय। प्रगति यात्रा के दौरान सीएम नीतीश ने बेगूसराय को 563 करोड़ की सौगात दी। डिग्री कॉलेज की स्थापना और पर्यटन के कई योजना की घोषणा की। जिसमें 214 योजनाओं का उद्घाटन तथा 38199.892 लाख रुपये की 427 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने प्रगति यात्रा के दौरान बेगूसराय जिले को 563 करोड़ रुपये से अधिक की सौगात दी। वहीं 641 योजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। कलेक्ट्रेट स्थित कारगिल विजय भवन में विकास योजना की समीक्षा बैठक में मुख्यमंत्री ने जिले के गंगा पार शाम्हो प्रखंड में डिग्री कॉलेज स्थापित करने की घोषणा की। इससे शिक्षा को बढ़ावा मिलेगा। वहीं सिमरिया से लखमिनियां बलिया वाया बिन्दटोली गुप्ता लखमिनियां बांध तक सड़क बेगूसराय बाइपास का चौड़ीकरण किया जायेगा। इससे आस-पास की आबादी को आवागमन में सुविधा मिलेगी। मुख्यमंत्री की घोषणा के तहत कावर झील का समेकित विकास किया जायेगा। इसमें झील को जोड़ने वाले सभी नालों की उड़ाही की जायेगी। इसके जल प्रवाह को बहाल किया जायेगा। साथ ही कावर झील को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि मिथिला हाट के तर्ज पर सिमरिया घाट एवं कल्पवास मेला क्षेत्र के द्वितीय चरण का विकास किया जायेगा। इससे यहां के लोगों को सुविधा होगी और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। तेघड़ा-मुबारकपुर पथ के चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण की भी घोषणा की। बखरी से बहादुरपुर खगड़िया बार्डर तक नये बाइपास का निर्माण किया जायेगा। इससे जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी। इसके पहले मुख्यमंत्री ने प्रगति यात्रा के दौरान मटिहानी प्रखंड की मनिअप्पा पंचायत, मंझौल, सदर प्रखंड का दौरा किया।

मुख्यमंत्री ने प्रगति यात्रा के क्रम में बेगूसराय प्रखंड सह अंचल कार्यालय के नवनिर्मित भवन परिसर से बेगूसराय जिले को 56328.558 लाख रुपये की विकासात्मक योजनाओं की सौगात दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने 641 विकासात्मक योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसमें 18128.666 लाख रुपये की 214 योजनाओं का उद्घाटन तथा 38199.892 लाख रुपये की 427 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। प्रगति यात्रा के क्रम में मुख्यमंत्री ने मटिहानी प्रखंड स्थित मनिअप्पा ग्राम पंचायत में 1 करोड़ 35 लाख 39 हजार 600 रुपये की लागत से नवनिर्मित पंचायत सरकार भवन का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन किया।

विधायक राम कुमार कश्यप ने कार्यकर्ताओं के साथ सुनी प्रधानमंत्री मोदी के मन की बात

■ 'मन की बात' कार्यक्रम हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत: राम कुमार कश्यप

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। विधायक एवम चीफ व्हिप हरियाणा विधानसभा रामकुमार कश्यप ने रविवार को बूथ 64 गांव फुसगढ़ मे कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 118 वें एपिसोड को सुना। इस बार के मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा साहब भीमराव आंबेडकर, राजेंद्र प्रसाद और श्यामा प्रसाद मुखर्जी के पुराने संबोधनों के कुछ अहम अंश भी सुनाए।

इस मौके पर विधायक ने कहा कि मन की बात' कार्यक्रम हर भारतीय के लिए प्रेरणा का स्रोत है। मन की बात कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री देश को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जागरूक करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज 2025 की पहली मन की बात हो रही है। इससे पहले हर बार मन की बात महीने की आखिरी रविवार को होती है, लेकिन इस बार हम एक सप्ताह पहले चौथे रविवार के बजाय तीसरे रविवार को ही मिल रहे हैं, क्योंकि अगले सप्ताह रविवार के दिन ही गणतंत्र दिवस है। प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम के माध्यम से सभी देशवासियों को गणतंत्र दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि इस बार का 'गणतंत्र दिवस' बहुत विशेष है। ये भारतीय गणतंत्र की 75वीं वर्षगांठ है। इस वर्ष संविधान लागू होने के 75 साल हो रहे हैं। प्रधानमंत्री ने संविधान सभा के उन सभी महान व्यक्तित्वों को नमन किया जिन्होंने हमें हमारा पवित्र संविधान दिया।

उन्होंने प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ पर बात करते हुए कहा कि हजारों वर्षों से चली आ रही इस परंपरा में कहीं भी कोई भेदभाव नहीं, जातिवाद नहीं। इसमें भारत के दक्षिण से लोग आते हैं, भारत के पूर्व और पश्चिम से लोग आते हैं। कुंभ में गरीब-अमीर सब एक हो जाते हैं। एक तरफ प्रयागराज, उज्जैन, नासिक और हरिद्वार में कुंभ का आयोजन होता है, वैसे ही, दक्षिण भू-भाग में, गोदावरी, कृष्णा, नर्मदा और कावेरी नदी के तटों पर पुष्करम होते हैं।

इस कार्यक्रम की शुरूआत तीन अक्टूबर 2014 को हुई थी। इसे 22 भारतीय भाषाओं और 29 बोलियों के अलावा 11 विदेशी भाषाओं में भी प्रसारित किया जाता है, जिसमें फ्रेंच, चीनी, इंडोनेशियाई, तिब्बती, बर्मी, बलूची, अरबी, पश्तू, फारसी, दारी और स्वाहिली शामिल हैं। 'मन की बात' कार्यक्रम का प्रसारण आकाशवाणी के 500 से अधिक केंद्रों द्वारा किया जाता है।

अपराध निरोधक कमेटी कारागार में बंदियों को बांटेगी कंबल व अन्य समान किट

एसबी ब्यूरो प्रमुख इंतजार हुसैन

बदायूं। उ0प्र0अपराध निरोधक समिति लखनऊ के चेयरमैन माननीय कमलेश श्रीवास्तव के निर्देश पर जिला कमेटी बदायूं की एक बैठक जिला उपाध्यक्ष खिजर अहमद सेवनिवृत्त प्रधानाचार्य की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें जिला कमेटी के द्वारा ठंड को देखते हुए ज़िला प्रभारी मुहम्मद शमसुद्दीन शम्स की उपस्थिति में जिला कारागार में बंदियों हेतू कंबल वितरित करने का प्रस्ताव पारित किया गया। उन्होंने बताया कि यह संस्था जेल मैनुअल के अन्तर्गत कार्य करती है जिसमें वह जेल में बंद कैदियों के खान-पान, रख रखाव, शिक्षा, चिकित्सा लिए कार्य करती है और समय समय पर शासन प्रशासन को अवगत कराती है। इस समिति के पदेन प्रदेश अध्यक्ष माननीय समाज कल्याण मंत्री एवं पदेन जिलाध्यक्ष जिला अधिकारी होते हैं।

अध्यक्षता करते हुए ज़िला उपाध्यक्ष खिजर अहमद ने कहा कि जेल में निरुद्ध ऐसे बंदी जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं या जिनकी मिलाई भी नहीं आती है कमेटी द्वारा ऐसे बंदियों को चिंहित कर मदद की जायेगी। शीघ्र ही कंबल, तेल, साबुन, टूथ पेस्ट आदि की किट देकर सहयोग किया जायेगा।

बैठक में मीडिया प्रभारी इंतजार हुसैन, कार्यालय प्रभारी आदिल हुसैन जकरिया, कोषाध्यक्ष डॉ नेत्रपाल सिंह शैलानी, अंसार अली, अहमद नबी, भाई भाई उपस्थित रहे जबकि पूर्व डीजीसी प्रेमवती मौर्य एडवोकेट विधि सलाहकर, संगठन सचिव धन्नू लाल, मुन्ने खां ने ऑन लाइन सहभागिता की।

निराश्रित बच्चों को सरकार हर माह दे रही 1850 रुपये की वित्तीय सहायता: उपायुक्त

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि जिला में 21 वर्ष तक की आयु का बच्चा जो अपने माता-पिता की सहायता अथवा देखभाल से उनकी मृत्यु होने के कारण, अपने पिता के घर से पिछले 2 वर्ष की अवधि से अनुपस्थित होने के कारण अथवा माता-पिता के लम्बी सजा, जोकि एक वर्ष से कम न हो या मानसिक व शारीरिक अक्षमता के कारण वंचित हो जाते हैं और जिनके माता-पिता, अभिभावक की सभी साधनों से वार्षिक आय दो लाख से अधिक नहीं है। वह बच्चा हरियाणा सरकार के सामाजिक न्याय एवं सहकारिता विभाग द्वारा दी जा रही वित्तीय सहायता का लाभ पात्र है। उन्होंने बताया कि उपरोक्त विभाग द्वारा एक परिवार में दो बच्चों तक 1850 रुपये प्रति माह प्रति बच्चा पेंशन प्रदान की जा रही है।

उन्होंने बताया कि उपरोक्त स्कीम का लाभ लेने के इच्छुक व्यक्ति के पास बेसहारा होने का प्रमाण पत्र, बच्चों के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी जन्म प्रमाण पत्र व आवेदक का 5 वर्ष या उससे अधिक की अवधि का हरियाणा राज्य में निवासी होने का दस्तावेज जैसे कि फोटोयुक्त वोटर कार्ड या राशन कार्ड आदि की स्वयं सत्यापित फोटो प्रति सहित परिवार पहचान पत्र होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि आवेदक के पास यदि उपरोक्त दस्तावेजों में से कोई दस्तावेज नहीं है, तो वह कोई अन्य प्रमाण पत्र सहित 5 वर्ष से हरियाणा में रिहायश का हलफनामा दे सकता है। उन्होंने कहा कि यदि बच्चे के माता-पिता या अभिभावक किसी भी सरकार द्वारा पारिवारिक पेंशन प्राप्त कर रहा है, वो उपरोक्त स्कीम का लाभ नहीं ले पाएंगे। स्कीम का लाभ लेने के इच्छुक प्रार्थी अपने नजदीकी अंत्योदय सरल केंद्र, अटल सेवा केंद्र सहित सीएससी केंद्र पर आवेदन कर सकते हैं।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का मानसिक संतुलन हुआ खराब, पद से इस्तीफा दे देना चाहिए

एसबी ब्यूरो

पटना। जननायक लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि कुमार यादव ने कहा बिहार के माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का मानसिक संतुलन खराब हो गया है। अब उन से बिहार नहीं चल रहा, श्री यादव ने कहा मुख्यमंत्री प्रगति यात्रा के दौरान बेगूसराय में बोले 2005 से पहले लड़कियां कपड़ा नहीं पहनती थी। अब हमारी सरकार में लड़कियां कपड़ा पहनते हैं कितना अच्छा है। मुख्यमंत्री को पहले जदयू के महिला मंत्री, विधायक से पूछना चाहिए। रवि यादव ने कहा इसका हमारी पार्टी जननायक लोक दल घोर निंदा करता है। मुख्यमंत्री को पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

खराब छवि वाले लोगों के लिए राकांपा में कोई जगह नहीं: अजित पवार

(एजेन्सी)।

शिरडी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि जनता के बीच खराब छवि वाले किसी भी व्यक्ति के लिए उनकी पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में कोई जगह नहीं है। अजित ने कहा कि गलत काम करने वालों को पार्टी से निकाल दिया जाएगा। वर्ष 2023 में अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत कर राकांपा पर दावा करने वाले अजित पवार ने कहा कि भविष्य राकांपा का है। उन्होंने शिरडी में राकांपा सम्मेलन में अपने समापन भाषण में कहा, गांवों और हर गली-मोहल्ले में राकांपा कार्यकर्ता का आधार तैयार किया जाना चाहिए। सभी को समन्वय के साथ काम करना चाहिए।

महाराष्ट्र में 20 नवंबर को हुए विधानसभा चुनाव में राकांपा ने 41 सीटें जीतीं, जो शरद पवार की अगुवाई वाली राकांपा (शरदचंद्र पवार) से चार गुना ज्यादा है। अजित ने कहा, विधानसभा चुनाव के बाद हमारी जिम्मेदारी बढ़ गई है। आगामी स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के आकांक्षी लोगों को 25 घरों के समूह से वोट सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार कार्यकताओं का चयन करना चाहिए। अगर 25 घरों में से प्रत्येक से चार वोट (राकांपा के लिए) डाले जाते हैं, तो हमें 100 वोट मिलेंगे। उन्होंने राकांपा कार्यकर्ताओं से युवाओं, डॉक्टरों, इंजीनियरों और वकीलों को पार्टी से जोड़ने की अपील की। अजित ने कहा कि राकांपा से लोग जुड़ रहे हैं, लेकिन पार्टी को एकजुट रहना चाहिए और इसकी छवि प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, जनता के बीच खराब छवि वाले व्यक्ति के लिए पार्टी में कोई जगह नहीं है। कोई भी गलत आचरण नहीं होना चाहिए। जो लोग गलत काम करेंगे, उन्हें पार्टी से निकाल दिया जाएगा।

अजित की यह टिप्पणी सरपंच संतोष देशमुख हत्या मामले में राकांपा नेता और महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे की विपक्षी दलों द्वारा की गई आलोचना की पृष्ठभूमि में आई है। उन्होंने चिकित्सा सहायता और आश्वासन कार्यान्वयन प्रकोष्ठों के गठन की घोषणा की। उन्होंने कहा, चिकित्सा सहायता प्रकोष्ठ हर मंत्री के कार्यालय में होगा। अजित ने कहा कि राकांपा गणेश उत्सव तक हर निर्वाचन क्षेत्र में कम से कम एक चुनावी वादा पूरा करने की कोशिश करेगी।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, **'संजना भारती'** को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली
वाटसेप नम्बर: 94663-09795

दिल्ली उच्च न्यायालय ने डीएनबी पाठ्यक्रम में दाखिला संबंधी याचिका पर एनबीई से पक्ष रखने को कहा

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड (डीएनबी) नामक पोस्ट-डिप्लोमा पाठ्यक्रम को छोड़ चुके अभ्यर्थियों पर दो साल के लिए किसी अन्य डीएनबी पाठ्यक्रम में दाखिला देने पर लगाए गए प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिका पर राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) से पक्ष रखने को कहा है। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने एक अभ्यर्थी की उस याचिका पर एनबीई को नोटिस जारी किया, जिसमें कहा गया है कि डीएनबी पाठ्यक्रम प्रवेश के लिए प्रतिबंध एकपक्षीय है और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। अदालत ने 17 जनवरी को पारित आदेश में कहा, प्रतिवादी संख्या-एक को सभी माध्यमों से नोटिस जारी करें, जिसका जवाब 23 जनवरी 2025 तक दिया जाना चाहिए।

याचिकाकर्ता ने कहा कि डीएनबी कोर्स शुरू करने के तुरंत बाद, उन्हें छत्तीसगढ़ के अपने अस्पताल से इस्तीफा देना पड़ा, क्योंकि उनके लिए कष्टदायक माहौल में पढ़ाई जारी रखना मुश्किल हो गया था।

याचिकाकर्ता की तरफ से पैरवी कर रही वकील तन्वी दुबे ने अवगत कराया कि उन्होंने (याचिकाकर्ता ने) कथित तौर पर गाली-गलौज और प्रताड़ना के बारे में निर्धारित प्रक्रिया के तहत शिकायत की थी, लेकिन अधिकारियों द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई।

उन्होंने दलील दी कि इसीलिए नियम को असंवैधानिक घोषित किया जाना चाहिए और याचिकाकर्ता को भविष्य में डीएनबी काउंसलिंग या परीक्षाओं में भाग लेने की अनुमति दी जानी चाहिए, क्योंकि वह एक मेधावी अभ्यर्थी हैं, जिन्हें अन्याय का सामना करना पड़ा।

परिवार पहचान पत्र की त्रुटियों को अपने खर्चे पर ठीक करवाए प्रदेश सरकार: कुमारी सैलजा

■ हाईकोर्ट के आदेश के बाद अपनी गलती स्वीकार करे सरकार

एसबी विशेष संवाददाता

चंडीगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि सरकार को यह बात माननी ही होगी कि परिवार पहचान पत्र जनता के लिए परिवार परेशान पत्र बनकर रह गया है, पंजाब-हरियाणा उच्च न्यायालय ने भी हरियाणा सरकार को निर्देश दिया है कि वह तुरंत सुधारात्मक कदम उठाए, ताकि किसी भी नागरिक को परिवार पहचान पत्र की कमी के कारण जरूरी या मौलिक सेवाओं से वंचित न किया जाए। साथ ही पीपीपी की अनिवार्यता को खत्म किया जाए।

मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि परिवार पहचान पत्र सरकार ने जनता पर जबरन थोपा था और इसमें आई खामियों को लेकर जनता को परेशानी में डालकर रखा हुआ है। पीपीपी के नाम पर घोटाला हुआ। आज तक पीपीपी की त्रुटियों को दूर नहीं किया गया है। पीपीपी को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने आदेश में कहा-यह स्पष्ट है कि मौलिक सेवाओं, जो किसी व्यक्ति या समुदाय के लिए जीवित रहने के लिए आवश्यक हैं, जैसे पीने का पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, बिजली, स्वच्छता, पुलिस और अग्निशमन जैसी आपातकालीन सेवाओं के लिए पीपीपी को अनिवार्य आवश्यकता माना जा रहा है लेकिन यह स्वैच्छिक प्रक्रिया है। इस स्थिति में, सभी सुधारात्मक कदम तुरंत उठाए जाएंगे ताकि किसी भी नागरिक को पीपीपी के अभाव में जरूरी सेवाओं से वंचित न किया जाए।

कुमारी सैलजा ने कहा कि जो जानकारी पीपीपी में दी जाती है उसे जरूरत पड़ने पर सरकार मानती ही नही है और अलग से प्रमाण पत्र की मांग करती है तो ऐसे में पीपीपी का कोई औचित्य ही नहीं रहता। उन्होंने कहा कि सरकार को हाईकोर्ट का आदेश आने के बाद अपनी गलती को मानना ही होगा और इसकी अनिवार्यता को खत्म करना होगा। सभी मौलिक और आवश्यक सेवाओं की पहचान के लिए पीपीपी को अनिवार्य माना गया है जो गलत है। कुमारी सैलजा ने कहा कि जिन लोगों के पीपीपी में कोई त्रुटि है तो उसे सरकार अपने ही खर्च पर ठीक करवाए उसका बोझ पीड़ितों पर न डाला जाए।

मंत्री राव नरबीर सिंह ने गुरुग्राम में मेट्रो के विस्तारीकरण के प्रस्तावित रूट का अधिकारियों के साथ किया दौरा

मेट्रो निर्माण कार्य में नागरिकों को नहीं होनी चाहिए किसी प्रकार की असुविधा: राव नरबीर सिंह

संजना भारती संवाददाता

चण्डीगढ़। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने जीएमडीए के अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि गुरूग्राम में मिलेनियम सिटी सेंटर से रेलवे स्टेशन, सैक्टर-22 व साइबर सिटी के बीच मैट्रो विस्तारीकरण की प्रक्रिया में आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो व इस पूरी परियोजना में मौजूदा सर्विसेज कम से कम प्रभावित हो।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने यह बात आज मेट्रो के विस्तारीकरण के प्रस्तावित रूट का गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड जीएमडीए के अधिकारियों के साथ निरीक्षण के दौरान आवश्यक दिशा निर्देश देते हुए कही। मेट्रो परियोजना की डीपीआर बनाने की प्रक्रिया जारी है। जिसमें मंत्री के दिशा निर्देश के तहत आमजन की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने प्रस्तावित रूट का निरीक्षण कर अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए मेट्रो के कार्य को तेज गति से आगे बढ़ाया जाए। इसके अलावा, लोगों को मेट्रो निर्माण के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो और यातायात सुचारू रूप से संचालित रहे, उस संबंध में भी बेहतरीन योजना बनाई जाए। उन्होंने कहा कि जब भी कोई बड़ा निर्माण इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा किया जाता है, तो वह लंबे समय तक चले और लोगों को लाभ मिले, ऐसी योजना अधिकारियों को बनानी चाहिए। उन्होंने निर्देश दिए कि इस पूरी परियोजना में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि प्रस्तावित रूट में मौजूदा सर्विसेज जैसे ड्रेनेज सिस्टम, बिजली, पीने का पानी, सीवरेज सहित अन्य महत्वपूर्ण सुविधाओं को कम से कम प्रभावित किया जाए और यदि ये सुविधाएं प्रभावित होती है तो इनके निवारण संबंधित कार्य मेट्रो निर्माण कार्य से पहले पूरे किए जाएं। साथ ही निर्माण प्रक्रिया में यह भी ध्यान रखा जाए कि जो ट्रैफिक डायवर्जन प्लान बने उसमें जाम की स्थिति न बने।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने जीएमडीए के अधिकारियों को यह भी निर्देश दिए कि इस परियोजना के साथ प्राधिकरण को फ्लाईओवर अथवा अंडरपास को लेकर जो भी निर्माण कार्य करना है वह भी मेट्रो निर्माण कार्य के समानांतर रूप से चले। उन्होंने प्रस्तावित रूट पर अलाइनमेंट का कार्य एक महीने में फ्रिज करने के निर्देश देते हुए कहा कि अधिकारी इस पूरे कार्य मे यह विशेष ध्यान रखें कि इस पूरी प्रक्रिया में गुरुग्राम का ड्रेनेज सिस्टम से किसी भी प्रकार से प्रभावित न हो।

मंत्री ने सेक्टर 23 स्थित रेजांगला चौक से पुराने दिल्ली रोड तक ड्रेनेज की लेग वन का निरीक्षण भी किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मानसून के समय इस लेग पर पानी का अत्यधिक लोड होता है। ऐसे में इस मार्ग पर मेट्रो का कार्य शुरू करने से पूर्व सड़क के चौड़ीकरण व लेग वन में क्या आवश्यक बदलाव करने है वो निर्धारित समय सीमा में हो।

इसके अलावा, इस परियोजना के अंतर्गत मीडियम मेट्रो को स्थापित किया जाएगा तथा यह स्टैण्डर्ड गेज पर संचालित होगी। इसके अलावा, यह मेट्रो सीबीटीसी अर्थात कम्युनिकेशन बेसड ट्रेन कंट्रोल सिग्नल पर आधारित होगी तथा अधिकतम स्पीड 80 किलोमीटर प्रति घंटा होगी। शुरूआत में इस मेट्रो कनेक्टिविटी में 3 कोच लगाए जाएंगे तथा उसके बाद इसे 6 कोच तक बढ़ाया जाएगा। मेट्रो विस्तारीकरण परियोजना को क्रियान्वित करने के लिए एक कार्यकारी समिति व एक समन्वय समिति का भी गठन किया गया है, जो इस परियोजना को जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिए दिन-प्रतिदिन आने वाले विभिन्न समन्वय मुद्दों का निष्पादन करेगी। इस दौरान जीएमडीए के चीफ इंजीनियर राजेश बंसल, एक्सईन विकास मलिक सहित जीएमआरएल के अधिकारी मौजूद रहे।

असंध के वार्ड 18 से पंथक दल झींडा ग्रुप प्रमुख जगदीश झींडा 1941 वोट से जीते

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी असंध क्षेत्र के वार्ड नंबर 18 से पंथक दल झींडा ग्रुप प्रमुख जगदीश सिंह झींडा ने जीत दर्ज की है। असंध एसडीएम राहुल ने जगदीश झींडा को जीत का प्रमाण पत्र सौंपा। झींडा ने चुनाव में अपने प्रतिद्वंदी बलकार सिंह वडैच को 1941 वोटों से हराया।

असंध के वार्ड नंबर 18 में कुल 8292 वोट पोल हुई थी। इसमें जीत दर्ज करने वाले जगदीश झींडा को 4216 वोट मिली। जबकि दूसरे स्थान पर रहने वाले बलकार सिंह को 2275 वोट मिली। इसी के साथ नरवैर सिंह रतक 1163 वोट लेकर तीसरे स्थान पर रहे। जबकि सुखविंद्र सिंह को महज 620 वोट ही मिले। सभी सभी बूथों पर शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न हुआ।

चुनाव रिटर्निंग ऑफिसर एसडीएम राहुल, डीएसपी महाबीर सिंह, थाना प्रभारी राकेश कुमार पुलिस टीम सहित लगातार गश्त करते रहे।

बता दें कि पिछले करीब 22 साल से हरियाणा से सिखों की कमेटी बनाए जाने की मांग थी। तत्कालीन कांग्रेस सरकार में कमेटी बनी थी जगदीश झींडा को प्रधान बनाया गया था।

जीत के बाद बोले झींडा

हर गुरूद्वारा के साथ खोलेंगे पब्लिक स्कूल जगदीश झींडा ने कहा कि उनका प्रमुख उदेश्य गुरू ग्रंथ साहब को सुरक्षित रखना है है। उन्होंने कहा कि दसवें पातशाह ने सारा सरबंश वार के खालसा पंथ को सजाया है। दूसरे कार्य गुरूद्वारा साहब की रक्षा और सुरक्षा करना ताकि कोई बेअदबी न हो पाए। उन्होंने कहा कि बच्चों की शिक्षा के लिए हर गुरूद्वारा के साथ एक पब्लिक स्कूल खोला जाएगा। जींद में एक सिख विश्वविद्यालय खोला जाएगा। इस अवसर पर सोहन सिंह विर्क, दलविंदर मद्द,नबाव सिंह, जोगिंदर झीड़ा, जगबीर सिंह, बलविंदर सिंह सहित अन्य मौजूद रहे।

महाराणा प्रताप हम सभी के लिए हैं प्रेरणा के स्रोत: कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा

एसबी संवाददाता/विजेश कुमार

चंडीगढ़। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा है कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में हरियाणा सरकार सभी वर्गों के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार सबका साथ और सबका विकास की भावना से बिना भेदभाव के विकास कार्य करवा रही है।

मंत्री महाराणा प्रताप की पुण्यतिथि पर रेवाड़ी में महाराणा प्रताप चौक पर आयोजित प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में उपस्थितजनों को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मंत्री ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम में मंत्री ने खेल, शिक्षा व अन्य क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले सर्व समाज के युवाओं को सम्मान पत्र तथा स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।

इस मौके पर मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि महाराणा प्रताप हम सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। सेना का बड़े से बड़े अधिकारी भी अपने जीवन में महाराणा प्रताप के सिद्धांतों व नीतियों को अपनाते हैं। वे प्रखर राष्ट्रवादी थे, जिन्होंने अंतिम सांस तक मुगलों से लोहा लिया। महाराणा प्रताप की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि उन्होंने जिंदगी में कभी हार नहीं मानी। महाराणा प्रताप किसी एक समाज के नहीं बल्कि सब समाजों के प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने युवाओं को आह्वान किया कि वह भी अपने जीवन काल में महाराणा प्रताप के दिखाए हुए मार्ग पर चले।

इस मौके पर विधायक श्री लक्ष्मण सिंह यादव और असंध के विधायक श्री योगिंदर सिंह राणा व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मिशन बुनियाद खंड राजौंद के सफल विद्यार्थियों को खंड शिक्षा अधिकारी ने दी शुभकामनाएं

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। मिशन बुनियाद हरियाणा में दाखिले के लिए आयोजित की गई लेवल वन प्रतियोगी परीक्षा का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। जिसमें सफल विद्यार्थियों को राजौंद खंड शिक्षा अधिकारी एवं खंड संसाधन संयोजक राजौंद बलबीर कश्यप ने शुभकामनाएं दी है। आरोही स्कूल सोंगरी से आदित्य कुमार शर्मा नीमवाला व नव्या शर्मा नीमवाला सहीत विभिन्न विधार्थियों ने दूसरी लेवल की परिक्षा के लिए क्वालीफाई कर लिया है। पहले राउंड की बुनियाद परीक्षा में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सौंगरी गुलियाना राजौंद के होनहार छात्र आरव बिढान ने 139 अंक लेकर कैथल जिला में प्रथम स्थान हासिल किया है। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सौंगरी गुलियाना, खंड राजौंद नंबर तीन पर रहा है, ब्लाक शिक्षा अधिकारी बलबीर सिंह कश्यप ने सभी सफल विद्यार्थियों, स्कूल मुखिया, शिक्षकों, अविभावको को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

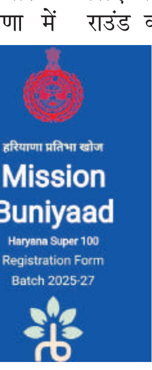

मन की बात कार्यक्रम देश को नई ऊर्जा व दिशा देने का करता है कार्य : जगमोहन आनंद

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम देश को एक नई ऊर्जा व दिशा प्रदान करता है। प्रधानमंत्री इस कार्यक्रम के माध्यम से देश की सफलतम कहानियां हम सबके सामने रखते है, इनसे प्रेरणा लेकर देश का हर वर्ग अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए अग्रसर होता है। यह कार्यक्रम हम सबको कुछ नया करने की ओर संकल्पित करता है। विधायक आनंद रविवार को करनाल के वार्ड नम्बर -12 के बूथ 31 व 32 पर मन की बात के 118 वें एपिसोड के प्रसारण कार्यक्रम उपरांत उपस्थितजनों को सम्बोधित कर रहें थे।

विधायक के अनुसार प्रधानमंत्री ने कहा है कि आगामी 26 जनवरी को देश के संविधान लागू हुए 75 वर्ष होने जा रहें है। यह हम सबके लिए गौरव की बात है। गणतंत्र के 75 वर्ष होने पर उन्होंने संविधान सभा के सभी सदस्यों को नमन किया और कहा कि हमारा संविधान पहले से सशक्त हुआ व समृद्ध हुआ है। उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृतिक को प्रदर्शित करता महाकुम्भ का आयोजन भी हमें संगठित होने की प्रेरणा देता है। इसका भी प्रधानमंत्री ने जिक्र किया है। आगामी 25 जनवरी को पूरा देश राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाने जा रहा है। इसके लिए भी प्रधानमंत्री ने सभी को शुभकामनाएं प्रेषित की है।

विधायक ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम देश के युवाओं के लिए ज्ञानवर्धन का कार्य करता है। इससे उन्हें पूरे देश की भौगोलिक परिस्थितियों और विभिन्न संस्कृतियों के बारे भी पता चलता हैं। प्रधानमंत्री के मुख से देश के अलग-अलग क्षेत्रों में विषम परिस्थितियों के बावजूद वहां के लोगों की संघर्ष की कहानियां और उनकी सफलता के किस्से युवाओं को जीवन में कुछ बड़ा करने के लिए प्रेरित करते है। इस बार के कार्यक्रम में भी प्रधानमंत्री ने देश को नए साल में पहले मन की बात के प्रसारण कार्यक्रम पर नई ऊर्जा के साथ कार्य करने का संदेश दिया है।

इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता कृष्ण गर्ग, सुनील मदान, मण्डल अध्यक्ष नवीन बत्तरा, विकास कथूरिया, मनमीत बावा, निशांत शर्मा, डॉ. अशोक सहित अन्य उपस्थित रहें।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी ने किया विभिन्न मतदान केंद्रों को दौरा

हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव को लेकर चल रही मतदान प्रक्रिया

हरियाणा सिख गुरुद्वारा समिति के चुनाव का सायं 5 बजे तक का मतदान प्रतिशत

गुहला-20	71.70 प्रतिशत
कांगथली-21	73.68 प्रतिशत
कैथल-22	65.07 प्रतिशत

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी प्रीति ने हरियाणा सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव को लेकर विभिन्न मतदान केंद्रों का दौरा किया और मतदान प्रकिया का जायजा लिया। सबसे पहले डीसी कमेटी चौक स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, पट्टी अफगान स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पर बने बूथों पर पहुंची, जहाँ उन्होंने मतदान प्रतिशत के बारे में जानकारी हासिल की और मतदाताओं से भी बातचीत की।

उन्होंने बताया कि जिले में कमेटी के तीन वार्ड हैं, जिनमें वार्ड नंबर 20 गुहला, वार्ड नंबर 21 कांगथली, वार्ड नंबर 22 कैथल शामिल हैं। इन तीनों वार्ड में कुल 12 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस जिला के सभी 34 बूथों पर सबसे पहले मोक पोल की प्रक्रिया संपन्न करवाई गई। जिसके बाद सुबह निर्धारित समय पर मतदान प्रक्रिया शुरू हो गई थी। जिले में शांतिपूर्ण रूप से मतदान करवाने को लेकर व्यापक पुलिस प्रबंध किए गए हैं।

प्रजापिता ब्रह्मा बाबा त्याग व तपस्या की प्रतिमूर्ति थे: बी.के. मेहर चंद

विश्व शांति दिवस के रूप में मनाया ब्रह्मा बाबा का स्मृति दिवस

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। करनाल रोड स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय में ब्रह्मा बाबा के 56वें स्मृति दिवस को विश्व शांति दिवस के रूप में मनाया। उत्तराखंड डायरेक्टर एवं सीनियर कोऑर्डिनेटर स्पोर्ट्स विंग करनाल भ्राता मेहर चंद, बी.के. उषा दीदी, बी.के. नीलम दीदी व बी.के सरिता ने ब्रह्मा बाबा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। भ्राता मेहर चंद ने कहा कि बाबा का नाम लेखराज था, जो नेक व सच्चे व्यक्ति थे। पूरा विश्व उनकी याद में विश्व शांति दिवस के रूप मना रहे है। ब्रह्मा बाबा त्याग, तपस्या व विश्व सेवा की प्रतिमूर्ति थे। उन्होंने सन 1936 में ईश्वरीय शक्ति से प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की स्थापना की। उस समय जब भारत में अनेक कुप्रथाएं जैसे सती प्रथा, बाल विवाह, दहेज प्रथा आदि थीं उन्होंने नारी को आध्यात्मिक रूप से सशक्त करने का महान कार्य किया। बी.के. उषा ने कहा कि बाबा की त्याग-तपस्या का परिणाम है कि खुद पीछे रहकर नारी शक्ति को आगे बढ़ाया और आज पूरे विश्व में भारतीय संस्कृति अध्यात्म का परचम फहर रहा है। बी.के नीलम दीदी ने कहा कि ब्रह्मा बाबा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ब्रह्मा बाबा त्याग तपस्या के प्रतिमूर्ति थे। उनके त्याग से आज छोटी सी संस्था वट वृक्ष बन गई। बी.के सरिता ने सभी को अपने जीवन में ब्रह्मा बाबा के आदर्शों को जीवन में धारण करने तथा उनके कदमों पर कदम रख चलने की बात कही।

इस अवसर पर बी.के. पूनम, बी.के. रुहानी, नीरु, अमन, तेजस, भानू, दर्शन, रमेश शर्मा, रामरतन शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

अच्छा कार्य करने वाले दरोगा व सफाई मित्र होंगे सम्मानित: डॉ. वैशाली शर्मा

निगमायुक्त ने दरोगाओं को मेरी बीट-मेरी पहचान का दिया मंत्र

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। स्वच्छ सर्वेक्षण में टॉप रैंकिग लाने को लेकर नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा ने शनिवार सांय निगम कार्यालय के सभागार में सफाई दरोगाओं के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। बैठक में उन्होंने दरौगाओं को मेरी बीट- मेरी पहचान का मंत्र देते कहा कि वह अपनी बीट को शहर की सबसे स्वच्छ व सुंदर बीट बनाएं। बैठक में अतिरिक्त निगम आयुक्त अशोक कुमार भी मौजूद रहे।

निगमायुक्त ने कहा कि पिछले कुछ दिनों से सफाई व्यवस्था को लेकर चल रहे लगातार दौरों के दौरान देखने में आया है कि शहर में साफ-सफाई का स्तर अच्छा है। इसे लेकर नागरिकों को प्रतिक्रियाएं भी मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि हमें ओर अच्छा कार्य कर साफ-सफाई के स्तर को ऊंचा उठाना है। उन्होंने सभी सफाईकर्मियों को सफाई मित्र का नाम दिया और कहा कि यही हमारे देश के असल हीरों है। क्योंकि यह लोगों को स्वच्छ वातावरण प्रदान करते हैं। इन्हीं के कारण हमारा देश स्वच्छता की नई ऊंचाईयों को छू रहा है। उन्होंने कहा कि सफाई मित्रों का वेतन काटकर अच्छा नहीं लगता, परंतु व्यवस्था बनाए रखने को लेकर कदम उठाने पड़ते हैं।

उन्होंने कहा कि आगामी माह फरवरी में स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 हो सकता है। इसे लेकर सभी सफाई मित्र पूरी लगन के साथ सफाई कार्यों को करें। कोई भी कर्मचारी अनावश्यक छुट्टी न ले। सफाई कार्य के दौरान गली-मौहल्लों में नागरिकों को साफ-सफाई और गीला व सूखा कचरा अलग-अलग करने के लिए जागरूक करते रहें। सड़क पर कहीं भी कचरा नहीं दिखना चाहिए और न ही कहीं कचरा का ढेर लगे। सड़कें व फुटपाथ साफ-सुथरे रखें। शहर की सफाई को चकाचक करें और अपनी बीट को सर्वश्रेष्ठ बनाएं। सड़क पर कहीं हॉर्टीकल्चर वेस्ट, सी एंड डी वेस्ट या बेसहारा पशु दिखाई दे तो उसकी सूचना सम्बंधित सफाई निरीक्षक को दें, ताकि उन्हें पकड़ा जा सके। खाली प्लॉट में कचरा दिखाई दे, तो उसे भी साफ कर दें। इस कार्य में आने वाले खर्चे को सम्बंधित प्लॉट मालिक के सम्पत्ति कर में जोड़कर उसी से वसूल किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि सफाई मित्र अपने करनाल शहर को स्वच्छ सर्वेक्षण में टॉप रैंक दिलवाने के लिए हर सम्भव प्रयास करें। संसाधन को लेकर अगर किसी चीज की आवश्यकता है तो उसे भी अवश्य पूरा किया जाएगा। उन्होंने यूनियन पदाधिकारियों से भी अपील की कि वह भी शहर को स्वच्छ व साफ-सुथरा बनाने के लिए नगर निगम का सहयोग करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी एवं सफाई मित्र, दोनो ही नगर निगम का हिस्सा हैं।

बैठक में मुख्य सफाई निरीक्षक सुरेन्द्र चोपड़ा, सफाई निरीक्षक मनदीप सिंह व संदीप कुमार, सहायक सफाई निरीक्षक प्रवेश कुमार व गुलाब सिंह के अतिरिक्त नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा के ईकाई प्रधान राम सिंह, प्रदेश सचिव शारदा व ईकाई सचिव राज कुमार मौजूद रहे।

पीएम-विश्वकर्मा योजना से दस्तकारों के जीवन स्तर में होगा सुधार : उत्तम सिंह

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। उपायुक्त उत्तम सिंह ने कहा कि सरकार द्वारा श्रमिकों का जीवन स्तर ऊंचा उठाने के लिए पीएम-विश्वकर्मा योजना शुरू की है। इस योजना में 18 हस्त व्यवसायों को शामिल किया गया है। इसलिए इस योजना में जिला के अधिक से अधिक नागरिकों को लाभ मिलें ताकि सरकार का अन्त्योदय का लक्ष्य पूरा हो सके। उपायुक्त ने कहा कि योजना का मुख्य उद्देश्य दस्तकारों के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना है। योजना से गांवों और शहरों के उन कुशल कारीगरों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जो अपने हाथों से काम करके अपना जीवनयापन करते हैं। उन्होंने बताया कि पंजीकरण के बाद इन कारीगरों को जिला में स्थापित किए गए कौशल विकास केंद्रों में पांच दिन की ट्रेनिंग करवाई जाएगी और टूल किट खरीदने के लिए 15 हजार रुपए का अनुदान दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि

योजना का गांव स्तर पर पूरा प्रचार किया जाए ताकि अधिक से अधिक लोग इसका फायदा उठा कर अपने जीवन स्तर में बदलाव ला सके। उन्होंने बताया कि इस योजना में नाव बनाना, शस्त्रागार, लुहार, हथौड़ा व लोहे के औजार बनाना, ताला बनाना, सुनार, कुंभकार, मूर्तिकार, मोची, राजमिस्त्री, टोकरी, सुथार, चटाई बनाना, गुडिया व खिलौने बनाना, बारबर, धोबी, दर्जी और मछली पकड़ने के जाल बनाने का काम शामिल है। योजना में विभिन्न व्यवसायों से जुड़े दस्तकारों को प्रशिक्षण, टूल किट व बैंक लोन की सुविधा प्रदान की जाती है। योजना में कारीगरों को पहले पीएम विश्वकर्मा.जीओवी.इन पोर्टल पर पंजीकरण करवाना होगा। उन्होंने कहा कि पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत, कारीगरों और शिल्पकारों को पीएम विश्वकर्मा प्रमाण-पत्र और पहचान-पत्र के माध्यम से मान्यता प्रदान की जाएगी।